मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 217
शनिवार, 21 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कांग्रेस राज के हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर भेजेंगे वापस: अमित शाह

असम, 20 फरवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर सीमा सुरक्षा की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खुली सीमाओं के कारण असम में घुसपैठ हुई। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। असम के कछार जिले में एक जनसभा में बोलते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस राज्य में सार्थक विकास पहल शुरू करने में विफल रही, वहीं असम में अब बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, जहां प्रतिदिन लगभग 14 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो रहा है - जो देश में सबसे अधिक दरों में से एक है।

अमित शाह ने कहा कि आज एक तरह से वाइब्रेंट विलेज क्क्की शुरूआत हो रही है। वाइब्रेंट विलेज क्क के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों में भारत के सभी गांवों के बराबर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास शुरू किया है... एक समय था जब सीमावर्ती गांवों को देश के अंतिम गांव कहा जाता था। ये अंतिम गांव न केवल सीमाओं के कारण अंतिम थे, बल्कि विकास के मामले में भी पिछड़े हुए थे। रोजगार, बिजली और शिक्षा के मामले में वे पिछड़े हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट विलेज क्क्कार्यक्रम में यह संकल्प लिया है कि सीमा पर स्थित हर गांव अंतिम गांव नहीं, बल्कि भारत का पहला गांव है।

उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज क्क परियोजना की लागत 6,900 करोड़ रुपये होगी और इसमें 17 राज्यों के 334 ब्लॉक और 1,954 गांव शामिल होंगे, जिनमें असम के नौ जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव शामिल हैं। असम के इन 140 गांवों में भारत के हर गांव के समान सुविधाएं होंगी। इस 7 हजार करोड़ रुपये के कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग 2 हजार गांवों का विकास करना है। इसमें सुरक्षा संबंधी योजनाएं, योजना संतृप्ति योजनाएं और कई कनेक्टिविटी पहल सहित व्यापक योजनाएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि असम दो समस्याओं से जूझ रहा था: घुसपैठिए असमिया लोगों के अधिकारों का हनन कर रहे थे। कांग्रेस सरकारों ने हमारी सीमाओं को घुसपैठियों के लिए खुला छोड़ दिया। घुसपैठिए लगातार असम में प्रवेश करते रहे। असम के युवाओं की नौकरियां, गरीबों का अनाज और गांवों की जमीन छीनकर असम की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास किया गया। असम की जनता ने दस साल पहले भाजपा सरकार के गठन की पहल की और पहले पांच वर्षों में हमने घुसपैठ रोकने के लिए काम किया। दूसरे पांच वर्षों में हमारे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घुसपैठियों द्वारा कब्जा की गई लाखों एकड़ जमीन को खाली कराने और उन्हें बाहर निकालने के लिए काम किया। अब तीसरी बार चुनाव आ रहे हैं, यहां एक बार फिर भाजपा सरकार बनाएं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कांग्रेस शासन में घुसने वाले हर एक घुसपैठिए को हम वापस भेज देंगे।

कारोबारी राज कुंद्रा को 150 करोड़ रुपये के बिटकॉइन घोटाले के मामले में अदालत से बड़ी राहत मिली

नई दिल्ली। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और कारोबारी राज कुंद्रा को शुक्रवार को एक विशेष अदालत ने कथित 150 करोड़ रुपये के बिटकॉइन 'पोंजी' घोटाले के मामले में जमानत दे दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच में शामिल 18 आरोपियों में से एक कुंद्रा पिछले महीने दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने के बाद अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें 1 लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने पर जमानत दे दी और निर्देश दिया कि विदेश यात्रा से पहले उन्हें पूर्व अनुमति लेनी होगी। अदालत कक्ष के बाहर संक्षिप्त बातचीत में कुंद्रा ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी मुझे घर पर बोलने नहीं देती और मेरे वकील मुझे अदालत में बोलने नहीं देते।

नाइजीरिया में इस्लामी उग्रवादियों ने बहाई खून की नदी, एक साथ किए हमलों में 33 लोगों की मौत

नाइजीरिया, 20 फरवरी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में इस्लामी उग्रवादियों द्वारा एक साथ किए गए हमलों में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता बशीर उस्मान ने बृहस्पतिवार देर रात एक बयान में कहा कि यह हमला बुधवार को केब्बी प्रांत के बिउ समुदाय पर हुआ। उस्मान ने बताया कि हमलावर सोकोटो प्रांत से आए थे, जिसके कुछ हिस्सों पर लाकुरावा विद्रोही समूह का कब्जा है। उन्होंने कहा, ''प्रारंभिक जांच से पुष्टि हुई है कि सशस्त्र लाकुरावा उग्रवादी मवेशी चुराने के इरादे से इलाके में घुसे थे। उन्होंने कहा कि शांति बहाल करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। लाकुरावा समूह नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में, खासकर सोकोतो राज्य के आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय है। यह हथियारबंद गिरोह मवेशी चोरी, गांवों पर हमले और फिरौती के लिए लोगों का अपहरण जैसी आपराधिक गतिविधियों को आंजम देता है।

अदृश्य राजनीतिक दबाव में हैं प्रधानमंत्री: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 20 फरवरी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में इस्तेमाल किए गए अपने जिउ-जित्सु के उदाहरण को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक पकड़ और दबाव में फंसे हुए हैं, जो जनता को दिखाई नहीं देते। पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए गांधी ने उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है कि मैंने संसद में अपने भाषण में जिउ-जित्सु का उदाहरण क्यों दिया। मैंने पकड़ और दबाव का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि ये जिउ-जित्सु खेल में होते हैं और इसी तरह प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रित किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में भी इसी तरह के तरीके मौजूद हैं, लेकिन जनता को दिखाई नहीं देते।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि राजनीतिक पकड़ और दबाव ज्यादातर छिपे रहते हैं। आम आदमी उन्हें देख नहीं पाता। और यह देखने के लिए कि दबाव कहां लगाया जा रहा है, आपको ध्यान से देखना होगा। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई दबावों के बीच फंसे हुए हैं। अमेरिका में अडानी मामले और एपस्टीन मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय नाम उन फाइलों से जुड़े हैं जिन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है।

गांधी ने कहा कि एक तरफ चीन हमारी सीमा पर बैठा है, और दूसरी तरफ अमेरिका। और हमारे प्रधानमंत्री इन दोनों के बीच फंसे हुए हैं। वे फँसे हुए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की सार्वजनिक छवि वित्तीय समर्थन से कायम है और उस छवि पर नियंत्रण भारत के बाहर के लोगों के हाथों में है। गांधी ने दावा किया कि नीतिगत फैसलों का असर किसानों और कपड़ा क्षेत्र पर पड़ सकता है, और आरोप लगाया कि भारत को अमेरिका से आयात बढ़ाना पड़ सकता है। उन्होंने डेटा प्रबंधन पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लेकिन सबसे महत्वपूर्ण डेटा है। तथ्य यह है कि हमारा डेटा नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका की अमेरिकी कंपनियों को मामूली कीमत पर सौंपा जा रहा है। और मेरी बात याद रखिए, हम डेटा कॉलोनी बनने जा रहे हैं। गांधी ने सवाल उठाया कि भारत अमेरिका के साथ डेटा, कृषि और उद्योग से संबंधित समझौते क्यों करेगा, और कहा कि इसका जवाब प्रधानमंत्री पर लगाए गए ₹दबाव और दबाव में निहित है।

बागलकोट में शिवाजी जयंती जुलूस पर पथराव के बाद सांप्रदायिक तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

कर्नाटक, 20 फरवरी। कर्नाटक के बागलकोट शहर में बृहस्पतिवार शाम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में निकाले गए जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद सांप्रदायिक तनाव व्याप्त हो गया। इस हिंसा के बाद गुस्साई भीड़ ने एक मस्जिद के पास खड़ी हाथगाड़ियों में आग लगा दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया और एहतियात के तौर पर इलाके में भारी सिक्योरिटी तैनात कर दी है। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर मराठा समुदाय के सदस्यों द्वारा आयोजित यह जुलूस किले के अंदर अंबाभवानी मंदिर से शुरू हुआ। यह मुख्य सड़क से होते हुए बसवेश्वर सर्कल की ओर बढ़ा और फिर वल्लभभाई चौक से होते हुए वापस किले की ओर चला गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब जुलूस रास्ते में एक मस्जिद के पास पहुंचा, तो कथित तौर पर ऊख म्यूजिक का वॉल्यूम बढ़ा दिया गया और लोग नारे लगाने और डांस करने के लिए वहां रुक गए। मस्जिद के अंदर मौजूद लोगों ने तेज म्यूजिक पर एतराज जताया। मौके पर मौजूद पुलिसवालों ने कथित तौर पर मुस्लिम युवाओं से बात करने और तनाव कम करने के लिए मस्जिद में घुस गए।

लेकिन, मामला तब बिगड़ गया जब एक अनजान आदमी ने कथित तौर पर जुलूस की तरफ चप्पल फेंकी, जिससे हंगामा मच गया। इसके तुरंत बाद, कुछ बदमाशों ने कथित तौर पर मस्जिद के अंदर से जुलूस की तरफ पत्थर फेंके।

पुलिस ने बीच-बचाव किया, भीड़ को हटाने और जुलूस जारी रखने के लिए हल्का बल इस्तेमाल किया। इसके तुरंत बाद, कथित तौर पर कुछ लोगों ने मस्जिद के बाहर खड़े ठेलों में आग लगा दी।

हिंदू संगठनों के नेताओं ने पत्थरबाजी की घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इलाके में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है, और सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बागलकोट रढ सिद्धार्थ गोयल ने भरोसा दिलाया है कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा,(छत्रपति शिवाजी जयंती) जुलूस के दौरान पत्थरबाजी हुई। हमारी तरफ भी पत्थर फेंके गए। लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। हम दोषियों को गिरफ्तार करेंगे और सख्त कार्रवाई करेंगे।

भूकंप के तेज झटकों से हिली पाकिस्तान की धरती, रिक्टर स्केल पर 5.9 रही तीव्रता

इस्लामाबाद, 20 फरवरी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके पेशावर तथा इस्लामाबाद सहित कई शहरों में महसूस किए गए। भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है।

पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शाम 6:09 बजे (स्थानीय समय अनुसार) आए भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 101 किलोमीटर की गहराई पर था। अरब सागर, भारतीय और यूरेशियन विवर्तनिक प्लेट की सीमा पर स्थित होने के कारण पाकिस्तान भूकंप-संभावित क्षेत्र में आता है।

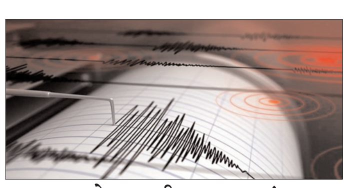

शुक्रवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप

बलूचिस्तान प्रांत में पिछले आया, लेकिन किसी भी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

इसका केंद्र प्रांत के खुजदार शहर से 86 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था।

इस भूकंप से पहले उसी दिन 3.8 तीव्रता का भूकंप का एक और झटका महसूस किया गया था, जो खुजदार से 75 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में आया और इसका केंद्र 33 किलोमीटर की गहराई में था।

गुजरात के वलसाड में कार और ट्रक की जोरदार टक्कर, 7 लोगों की मौत

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले के कपराड़ा कुंभ घाट क्षेत्र में आज कार और ट्रक की टक्कर से भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर ही कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में एक महिला, एक युवती और 5 पुरुष शामिल हैं।कप्राडा तहसीलदार ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

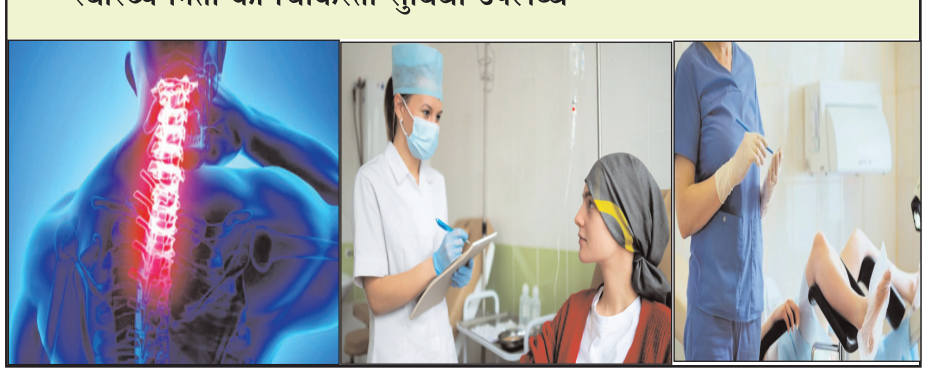

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी, 2026

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं।

इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफ़ा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है।

हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सहज एवं सर्वांगीण मानसिक विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं।

डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे प्रतिदिन अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है कि हम सामूहिक संकल्प करें-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा

-सुनील कुमार महला

21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने,भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के क्रम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्कृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-'यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है।' बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरूआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्कृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरूआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कई छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम क्रमशः 'सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं'(वर्ष 2025 की थीम) तथा 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज'(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरूआती शिक्षा(विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाई पहचान और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं। इसी सोच को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से जागरूकता फैलाता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर आज वैश्विक और स्थानीय स्तर पर गहरी चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, स्मृति और पहचान की संवाहक होती है। जब एक मातृभाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ सदियों का पारंपरिक ज्ञान और अद्वितीय विश्वदृष्टि भी लुप्त हो जाती है।इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है। इतना ही नहीं,यूनेस्को के ही अनुसार, विश्व की लगभग 6,000 से अधिक भाषाओं में से करीब 43% लुप्तप्राय की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की आधी भाषाएँ गायब हो सकती हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्थिति की बात करें तो पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया' के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में भारत ने अपनी लगभग 250 भाषाएँ खो दी हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 196 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें यूनेस्को ने 'असुरक्षित' या 'लुप्तप्राय' माना है। यह चिंताजनक बात है कि आज के समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़त बनाने की होड़ में 'अंग्रेजी' जैसी भाषाओं का प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसके कारण नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से कट रही है। आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो, तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50% से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। हालांकि स्थानीय भाषाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से पिछड़ी हुई मातृभाषाओं के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है क्योंकि वे डिजिटल युग की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं। हालांकि,भाषाओं के संरक्षण के लिये अनेक वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था तथा वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गई यूलु उद्घोषणा, भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं,भारत ने स्वदेशी (मातृ) भाषाओं की रक्षा, संवर्धन और प्रसार के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। देश की भाषाई विविधता उसकी सांस्कृतिक पहचान का आधार है, इसलिए सरकार और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य कर रही हैं।भारत सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। नीति के अनुसार कक्षा 5 (और संभव हो तो कक्षा 8) तक बच्चों को मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने की सिफारिश की गई है, जिससे भाषाई पहचान मजबूत हो और सीखने की क्षमता बढ़े।भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल पहल भी की गई है।इस क्रम में भाषा संसाधन पोर्टल, ई-लाइब्रेरी और अनुवाद प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) तथा अन्य संस्थाएँ स्थानीय भाषाओं में ई-सामग्री विकसित कर रही हैं। हमारे देश में भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए संस्थान भी हैं। मसलन,केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर भारत में भाषाओं के संरक्षण, शोध, प्रशिक्षण और दस्तावेजीकरण का प्रमुख केंद्र है। यह लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण पर भी कार्य करता है।शास्त्रीय भाषाओं के संरक्षण(संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओड़िया आदि) के लिए अध्ययन और शोध के लिए विशेष विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित किए गए हैं, जिससे उनकी परंपरा सुरक्षित रहे। इतना ही नहीं,सरकार ने राष्ट्रीय अनुवाद मिशन और भाषिणी जैसी परियोजनाएँ भी शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाना और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनका उपयोग बढ़ाना है।भाषिणी पहल के माध्यम से एआई आधारित भाषा उपकरण विकसित किए जा रहे हैं। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है, जिससे उन्हें प्रशासनिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक संरक्षण मिलता है। यह भाषाई विविधता की रक्षा का एक मजबूत आधार है। आज भाषाओं को सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।लोकभाषाओं और बोलियों के उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं, साहित्य सर्जन पुरस्कारों की भी व्यवस्था हमारे यहां है। अंत में यही कहूंगा कि मातृभाषा का संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत और सामाजिक कर्तव्य भी है। अपनी जड़ों को बचाए रखने के लिए हम अपने दैनिक जीवन में कई छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम उठा सकते हैं। मातृभाषा संरक्षण के लिए हमें यह चाहिए कि हम व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास करें। घर-परिवार में संवाद मातृभाषा में करें।अपनी भाषा की कहानियाँ, कविताएँ और लोकगीत पढ़ें और सुनें। बच्चों को उनकी मातृभाषा में लोरी और कहानियाँ सुनाने से भाषा के प्रति उनका भावनात्मक लगाव बढ़ता है। मातृभाषा में बोलने, लिखने, पढ़ने, सुनने में गर्व की अनुभूति महसूस करें, हीनभावना नहीं।सोशल मीडिया, ब्लॉग और विकिपीडिया जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अपनी भाषा में सामग्री लिखें और साझा करें।अपनी भाषा के मूल शब्दों को प्राथमिकता देते हुए स्थानीय शब्दावली का प्रयोग करें। इतना ही नहीं,स्थानीय त्योहारों, लोक कलाओं और सामुदायिक मिलन के कार्यक्रमों में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करें। इससे भाषा का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है।यूनेस्को के अनुसार, मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा पाने वाले बच्चों का मानसिक विकास अन्य बच्चों की तुलना में 30% अधिक प्रभावी होता है, इसलिए हम अपनी मातृभाषा को अधिकाधिक महत्व दें। मातृभाषा में अनुवाद कार्य,नई शिक्षा नीति जैसे कदमों का समर्थन करना (जो प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देते हैं) तथा अपनी भाषा(मातृभाषा) की पत्रिकाओं और समाचार पत्रों को सब्सक्राइब करें और उनमें योगदान दें।संक्षेप में यह बात कही जा सकती है कि मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक विकास की नींव है। आज के दौर में यूनेस्को के अनुसार विश्व की लगभग 43% भाषाएँ विलुप्ति की कगार पर हैं, जो एक गंभीर चेतावनी है। अपनी भाषा को बचाने के लिए यह अनिवार्य है कि हम इसे हीन भावना के बजाय गर्व के साथ अपनाएँ, घर में बच्चों से इसी में संवाद करें और डिजिटल माध्यमों पर अपनी भाषा का उपयोग बढ़ाएँ। निष्कर्षतः, आधुनिक प्रगति के लिए दूसरी भाषाएँ सीखना जरूरी है, लेकिन अपनी मातृभाषा को जीवित रखना अपनी जड़ों और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के समान है।

डीजे संस्कृति और अशोभनीय प्रस्तुतियों के बीच बच्चों के संस्कार

-प्रियंका सौरभ

विद्यालय किसी भी राष्ट्र की आत्मा का निर्माण करते हैं। यही वे स्थान हैं जहाँ से समाज की दिशा तय होती है और आने वाली पीढ़ियों के विचार, मूल्य तथा व्यवहार गढ़े जाते हैं। एक सभ्य समाज की पहचान उसके विद्यालयों से होती है, क्योंकि यहीं बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नैतिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का बोध कराया जाता है। ऐसे में यदि विद्यालय परिसरों में अशोभनीय गीतों पर नृत्य, फूहड़ मनोरंजन और मयार्दा-विहीन प्रस्तुतियाँ सामने आती हैं, तो यह केवल किसी एक संस्था की चूक नहीं, बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे दृश्य सामने आए हैं, जहाँ विद्यालयों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान ऐसे गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिनका शिक्षा और संस्कार से कोई संबंध नहीं है। ये घटनाएँ यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम विद्यालयों को भी उसी बाजारू संस्कृति के हवाले कर रहे हैं, जिसने मनोरंजन को मयार्दा से ऊपर रख दिया है? क्या बच्चों की मासूम मानसिकता को हम अनजाने में ऐसे प्रभावों के हवाले कर रहे हैं, जिनका दीर्घकालिक असर उनके चरित्र और सोच पर पड़ सकता है?

आज यह सत्य है कि डीजे संस्कृति, सोशल मीडिया और त्वरित लोकप्रियता की दौड़ ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है। गीतों और मनोरंजन की भाषा बदली है, प्रस्तुति का स्तर बदला है और वायरल होने की होड़ ने विवेक को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन विद्यालय कोई सार्वजनिक मंच या मनोरंजन स्थल नहीं है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि क्या उचित है और क्या अनुचित, क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। यदि विद्यालय ही इस भेद को मिटाने लगें, तो बच्चों के मन में नैतिक सीमाओं की समझ कैसे विकसित होगी?

इस पूरे प्रश्न का एक पक्ष यह भी है कि कई बार ऐसे कार्यक्रमों में बाहरी डीजे या आयोजनकताओं की भूमिका होती है। संभव है कि किसी विद्यालय में ऐसा संगीत बिना पूर्व योजना के बज गया हो या बच्चों ने उत्साह में कोई अनुचित गीत चुन लिया हो। परंतु ऐसे हर परिदृश्य में सबसे बड़ी जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों की होती है। शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ाने वाले कर्मचारी नहीं होते; वे आदर्श, अनुशासन और मयार्दा के जीवंत उदाहरण होते हैं। उनकी चुप्पी या लापरवाही बच्चों के लिए मौन स्वीकृति बन जाती है।

विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को सकारात्मक दिशा देना होता है। नृत्य, संगीत और नाटक बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, उनकी प्रतिभा को मंच देते हैं और उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। लेकिन जब यही मंच फूहड़ता का माध्यम बन जाए, तो उसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, शास्त्रीय या सुगम संगीत, प्रेरक नाटक—ये सब न केवल मनोरंजन करते हैं, बल्कि बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। इसके विपरीत, अश्लीलता आधारित प्रस्तुतियाँ केवल क्षणिक तालियाँ तो बटोर सकती हैं, पर वे किसी भी तरह से बच्चों के व्यक्तित्व को समृद्ध नहीं करतीं।

यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि समाज और अभिभावकों की भूमिका क्या है। आज कई बार अभिभावक भी विद्यालयों से केवल परिणाम और प्रतियोगिता की अपेक्षा रखते हैं, जबकि मूल्य-आधारित शिक्षा पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। यदि किसी विद्यालय में ऐसी घटनाएँ होती हैं, तो केवल शिक्षकों या प्रशासन को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह अपने बच्चों को किस तरह का वातावरण देना चाहता है। क्या हम चाहते हैं कि विद्यालय भी उसी संस्कृति को अपनाएँ, जो टीवी और मोबाइल स्क्रीन पर परोसी जा रही है, या हम उनसे कुछ बेहतर, कुछ अधिक जिम्मेदार अपेक्षा रखते हैं? दूसरी ओर, यह भी आवश्यक है कि हर घटना पर प्रतिक्रिया संतुलित हो। किसी एक चूक के आधार पर पूरे शिक्षक समुदाय को कठघरे में खड़ा करना या कठोर दंड की माँग करना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। शिक्षक भी इंसान हैं और उनसे भी भूल हो सकती है। यदि कोई घटना पहली बार हुई है और उसमें दुर्भावना नहीं थी, तो सुधारात्मक चेतावनी, स्पष्ट दिशा-निर्देश और संवेदनशील प्रशिक्षण अधिक प्रभावी हो सकता है। लेकिन यदि ऐसी गतिविधियाँ बार-बार हों, या जानबूझकर मयार्दा को तोड़ा जाए, तो सख्त कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि अनुशासन की मयार्दा बनी रहे। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में विद्यालयों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्पष्ट और एकरूप दिशा-निर्देश हों। ये दिशा-निर्देश केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका ईमानदारी से पालन हो। कार्यक्रमों की पूर्व स्वीकृति, गीतों और प्रस्तुतियों की समीक्षा, वेशभूषा की मयार्दा और मंच संचालन की जिम्मेदारी—इन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट नियम होने चाहिए। साथ ही शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण भी आवश्यक है, ताकि वे बदलते सामाजिक प्रभावों को समझते हुए बच्चों को सही मार्गदर्शन दे सकें।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि नैतिकता और संस्कृति का अर्थ कठोरता या रचनात्मकता का दमन नहीं है। बच्चों को आधुनिकता से काटना समाधान नहीं, बल्कि उन्हें विवेक के साथ आधुनिकता को अपनाना सिखाना अधिक आवश्यक है। विद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहाँ बच्चे खुलकर अपनी प्रतिभा दिखा सकें, पर साथ ही यह भी समझें कि हर मंच की अपनी मयार्दा होती है। स्वतंत्रता और अनुशासन का संतुलन ही स्वस्थ शिक्षा व्यवस्था की पहचान है।

यदि हम व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह मुद्दा केवल विद्यालयों तक सीमित नहीं है। यह उस सामाजिक दिशा का प्रतिबिंब है, जिसमें हम आगे बढ़ रहे हैं। जब समाज में फूहड़ता सामान्य होती जाती है, तो उसका असर संस्थानों पर भी पड़ता है। इसलिए इस समस्या का समाधान केवल नियमों से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से भी जुड़ा है। मीडिया, मनोरंजन उद्योग और डिजिटल प्लेटफॉर्म—सभी की जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों और युवाओं के लिए जिम्मेदार सामग्री प्रस्तुत करें। भारत जैसे विविधता और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध देश में विद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहाँ की शिक्षा व्यवस्था केवल रोजगार सृजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक निरंतरता और लोकतांत्रिक मूल्यों की वाहक है। यदि विद्यालयों में ही मयार्दा और संस्कार कमजोर पड़ने लगें, तो इसका असर केवल कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि धीरे-धीरे समाज के ताने-बाने को भी प्रभावित करेगा।

अंततः, यह आवश्यक है कि हम इस विषय को न तो अतिशयोक्ति में बदलें और न ही हल्के में लें। यह समय आत्ममंथन का है—शिक्षकों के लिए, प्रशासन के लिए, अभिभावकों के लिए और समाज के लिए। विद्यालयों को फिर से उस स्थान के रूप में स्थापित करना होगा, जहाँ ज्ञान के साथ-साथ संस्कार भी दिए जाते हैं। जहाँ मनोरंजन हो, पर मयार्दा के साथ; जहाँ स्वतंत्रता हो, पर जिम्मेदारी के साथ।

विद्यालय वास्तव में मंदिर हैं—ऐसे मंदिर जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ गढ़ी जाती हैं। इन मंदिरों की गरिमा बनाए रखना किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम यह जिम्मेदारी ईमानदारी से निभा पाए, तभी हम आने वाली पीढ़ियों को एक संतुलित, संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित कर सकेंगे।

राजनीति की बहती आंधी, बना अर्जुन राहुल गांधी

-विक्रम दयाल

राजनीति की बहती आंधी, बना अर्जुन राहुल गांधी। यह पंक्ति राहुल गांधी की राजनीति मैं भूमिका और उनके नेतृत्व की क्षमता पर एक टिप्पणी है। राजनीति की बहती आंधी का अर्थ है कि राजनीति में अक्सर अस्थिरता और परिवर्तन होता रहता है, इसमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बना अर्जुन राहुल गांधी का अर्थ है कि राहुल गांधी अर्जुन की तरह एक महान योद्धा और नेता के रूप में देखा जा सकता है, जो राजनीति की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। यह पंक्ति राहुल गांधी के नेतृत्व की क्षमता और उनकी राजनीति में भूमिका पर एक सकारात्मक टिप्पणी हो सकती है, जिसमें उन्हें एक मजबूत और सक्षम नेता के रूप में देखा जा सकता है। राहुल गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता हैं। और वर्तमान में लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। उनका राजनीतिक सफर 2004 में शुरू हुआ जब उन्होंने अपने पिता राजीव गांधी के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र अमेठी से लोकसभा चुनाव जीता। तबसे उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें शामिल है:- युवा कांग्रेस और ठरवक के महासचिवः 2007 में राहुल गांधी को युवा कांग्रेस और राष्ट्रीय छात्र संघ का महासचिव नियुक्त किया गया था। उनके नेतृत्व में इन संगठनों की सदस्य संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। 2013 में उन्हें कांग्रेस का उपाध्यक्ष बनाया गया, जिससे वे पार्टी के दूसरे सबसे बडे नेता बन गये। 2017 में राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने और 2019 तक इस पद पर रहे। 2024 में उन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप मैं चुना गया, जो उनकी राजनीतिक यात्रा में मील का पत्थर है। सदन में विपक्ष का काम सवाल पूछना और सरकार का काम सवालों का जवाब देना होता है। राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर विभि-?न राय है। कुछ लोग उन्हें एक सक्षम और उजार्वान नेता मानते हैं, जबकि कुछ लोग उनकी नेतृत्व शैली और निर्णय लेने की क्षमता पर सवाल उठाते हैं। उनकी भारत जोड़ों न्याय यात्रा जैसी पहले देश में एकता और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उजागर करने में सफल रही है। राहुल गांधी की क्षमता का आकलन करना मुश्किल है, क्योंकि राजनीति में सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें नेतृत्व कौशल, राजनीतिक रणनीति, और जनता का समर्थन शामिल है। हालांकि उनकी राजनीतिक यात्रा और वर्तमान भूमिका उन्हें एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली बनाती है। अभी देश में राहुल गांधी से जुड़े कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम चल रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में, उन्होने हाल ही में कई मुद्दों पर सरकार को घेरा है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पर विवादः राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में भारत ने समर्पण कर दिया है और किसानों के हितों से समझौता किया गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इस आरोप का खंडन किया है और कहा है कि भारत की आर्थिक स्थित बुनियाद मजबूत है। लोकसभा में हंगामाः राहुल गांधी के बयान पर लोकसभा में हंगामा हुआ, जिसके बाद आठ विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया । यह हंगामा जनरल नरवणे की एक किताब के संदर्भ में हुआ था। सरकार पर हमलाः राहुल गांधी ने सरकार पर कई मुद्दों पर हमला किया है, जिनमें बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और सामाजिक न्याय शामिल है। उन्होने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा जैसी पहले भी शुरू की है। अविश्वास प्रस्तावः राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की है।

इनडीड ने 2026 के लिए सबसे अच्छी नौकरियों की सूची जारी की

पटना। ग्लोबल मैचिंग एवं हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड ने भारत में 2026 के लिए सबसे अच्छी नौकरियों की सूची जारी की। 2026 के लिए भारत में नौकरियों की सूची में सबसे ऊपर हैल्थकेयर का स्थान रहा। सबसे अच्छी रैंकिंग डमेटोलॉजिस्ट, सर्जन, मेडिकल ऑफिसर बनने के अवसरों को मिली। इनडीड एशिया पैसिफिक के सीनियर इकॉनॉमिस्ट कैलम पिकरिंग ने कहा कि साल 2026 में भारत की सबसे अच्छी नौकरियाँ एक विविधतापूर्ण और विकसित होती हुई अर्थव्यवस्था प्रदर्शित करती हैं। विशेषज्ञता, जिम्मेदारी और स्थिर मांग में सबसे मजबूत अवसर मिल रहे हैं। टेक्नोलॉजी के पद भारत में सबसे अच्छी नौकरियों में शामिल हैं। पायथन डेवलपर जैसे पद सूची में मौजूद हैं। सीनियर लीडरशिप और मैनेजमेंट के पदों की रैंक लगातार ऊँची बनी हुई है। चीफ फाईनेंशियल ऑफिसर, हेड ऑफ सेल्स, हेड ऑफ मार्केटिंग, प्रिंसिपल, प्रोजेक्ट मैनेजर और ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर सबसे बेहतर नौकरियों की सूची में शामिल हैं।

मेट्रो-१२ के विस्तार की घोषणा, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के प्रयासों को बड़ी सफलता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण लोकसभा क्षेत्र को मुंबई और नवी मुंबई से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों में शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे को एक और बड़ी सफलता मिली है।

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण के माध्यम से राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने एक ऐतिहासिक परियोजना की घोषणा की है। इस परियोजना के तहत कल्याण-डोंबिवली शहर को तलोजा के रास्ते सीधे नवी मुंबई से जोड़ने वाली मेट्रो-१२ लाइन का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए मेट्रो-१२ए परियोजना लागू की जाएगी, जिसके अंतर्गत कल्याणझशिलफाटा रोड के समानांतर मेट्रो मार्ग का निर्माण किया जाएगा। यह मेट्रो लाइन कल्याण फाटा से दहिसर मोरी होते हुए तलोजा मेट्रो स्टेशन तक जाएगी। इस परियोजना के पूरा होने से कल्याणझशिलफाटा रोड पर वाहनों का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार आएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को ८,४१४.५३ करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है।

कल्याण लोकसभा क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान यातायात और परिवहन व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के प्रयासों से क्षेत्र में योजनाबद्ध ढंग से विकास परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई, जिससे यातायात की गति में बढ़ोतरी हुई है। मेट्रो, रेलवे, सड़कें, फ्लायओवर, एलिवेटेड रोड, रेलवे पुल और सड़कों के चौड़ीकरण जैसे कई ऐतिहासिक प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं, जबकि अनेक परियोजनाएं अभी प्रगति पर हैं। सांसद डॉ. शिंदे के लगातार प्रयासों और फॉलो-अप के कारण इन विकास कार्यों को तेजी मिली है। राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हाल ही में मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण का वर्ष २०२६-२७ का बजट पेश किया गया। इस बजट में कल्याण लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लिए ४८९७.१९ करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इन सभी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा शुक्रवार को कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने की। इस दौरान उन्होंने पलावा फ्लायओवर, मेट्रो-१२, तीसरा पत्री पुल, वालधुनी नदी के किनारे विठ्ठलवाड़ी स्टेशन से कल्याण-अहिल्यानगर महामार्ग तक एलिवेटेड रोड और कल्याण रिंग रोड जैसी प्रमुख परियोजनाओं का निरीक्षण किया। समीक्षा के दौरान सांसद डॉ. शिंदे ने संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए और सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कर नागरिकों के लिए खोलने का आग्रह किया। इस अवसर पर बोलते हुए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कल्याण से तलोजा मेट्रो-१२ मार्ग के विस्तार की घोषणा की। कल्याणझतलोजा मेट्रो-१२ के विस्तार को लेकर एक महत्वाकांक्षी निर्णय लिया गया है, जिसके तहत मेट्रो-१२ मार्ग अब दो अलग-अलग हिस्सों से होकर गुजरेगा। नए विस्तारित मार्ग में कल्याणझशिलफाटा रोड के समानांतर मेट्रो लाइन बिछाने का अहम फैसला किया गया है। इससे विस्तारित डोंबिवली के साथ-साथ मानपाड़ा, काटई नाका, ग्रोथ सेंटर, देसाई नाका, पडलेगांव, कल्याण फाटा, गोठेघर, दहिसर मोरी, दहिसरगांव, किरावली गांव, रोहिंजण और खुतारी गांव के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

सांसद डॉ. शिंदे ने कहा कि इस नए मेट्रो मार्ग के शुरू होने से शिलफाटा रोड पर वाहनों की संख्या में कमी आएगी और यातायात सुगम होगा। यह मेट्रो कलवा, दिवा और मुंब्रा क्षेत्रों तक जाने वाली पहली मेट्रो सेवा होगी। भविष्य में जब इसका मेट्रो-१४ के साथ एकीकरण होगा, तो नवी मुंबई, कांजुरमार्ग और मुंबई तक सीधी और तेज कनेक्टिविटी संभव हो सकेगी। इसी कारण इस मेट्रो परियोजना का महत्व और भी बढ़ गया है, ऐसा भी सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कहा।

सांसद ने किया कल्याण लोकसभा का दौरा

श्री गजानन महाराज प्रकट दिवस' समारोह द हेग नीदरलैंड में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज श्री गजानन महाराज के अनुयाई सिर्फ भारत देश ही नहीं पूरे विश्व में उनका प्रकट दिवस समारोह पुरी निष्ठा और भक्ति के साथ मना रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नीदरलैंड के 'द हेग' में उनके भक्तों और और वहां रहने वाले भारतीय मूल के लोगों द्वारा पुरी श्रद्धा और उत्साह के साथ श्री गजानन महाराज का प्रकट दिवस समारोह गुरुवार को मनाया गया। बताया जाता है कि हर साल, यह खास समारोह एडवोकेट श्रीमती प्रणिता अद्वैत देशपांडे के घर पर होता है। समारोह में प्रमुख रूप से रोहिणी पाटिल, प्रणिता बोरलेपवार, वैशाली नार्वेकर, अनिला, अंकिता सुखदा, अश्विनी, उज्वला, स्मिता, मेघा तृप्ति, ससकिया सहित अनेक महिलाएं उपस्थित थी।उनके पति वहां क्रिकेट टीम के कोच हैं। भक्ति और चेतना का समारोह कार्यक्रम शाम 5:00 बजे शुरू हुआ। स्थानीय भक्त महाराज की तस्वीर की पूजा, अर्चना करने और उनका नाम जपने के लिए इकट्ठा हुए। अपनी रोज की भागदौड़ से समय निकालकर 'माऊली' के चरणों में सेवा करने से सभी भक्तों के चेहरों पर एक अनोखी संतुष्टि और खुशी दिख रही थी। पूरा इलाका ₹गण गण गणात बोतेर के जयकारों से गूंज उठा। देशपांडे परिवार ने अगले साल भी इसी तरह का भक्ति समारोह बड़े पैमाने पर मनाने का संकल्प लिया। बता दें कि श्रीमती प्रणिता अद्वैत देशपांडे भले ही नीदरलैंड में हैं किंतु भारतीय संस्कृति को अच्छे से निभाती हैं।अपने देश के प्रति प्यार और निष्ठा आज भी उनके अंदर बरकरार है। यही वजह है कि हमारे देश के दिवाली, होली, गणेशोत्सव और अन्य पर्वों को वे पुरी निष्ठा और लगन के साथ वहां मनाती हैं। नीदरलैंड में रहने वाले भारतीयों को एकं सूत्र में जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। यही कारण है कि भारत और नीदरलैंड के संबंध को प्रगाढ़ बनाने के लिए भारत सरकार ने उन्हें नीदरलैंड और भारत का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया है।

भारत में क्रिएटर अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अडोबी ने छात्रों हेतु Photoshop, Acrobat AüSX Firefly AI की मुफ्त पेशकश की

मुंबई। क्रिएटिविटी, प्रोडक्टिविटी और पर्सनालाईज्ड ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने में ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर, अडोबी ने इंडिया ए.आई इंपैक्ट समिट में घोषणा की कि कंपनी द्वारा भारत में प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी को ए.आई संचालित क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी प्रदान करने के लिए सामरिक निवेश किया जाएगा। ए.आई लोगों द्वारा कंटेंट तैयार करने, विचारों को साझा करने, बिजनेस खड़ा करने और अपनी कल्पनाओं को जीवंत बनाने के तरीके में परिवर्तन ला रहा है। अडोबी की उद्योग में अग्रणी एप्लीकेशन, जैसे Firefly, Photoshop AüSX Acrobat अगली पीढ़ी को ए.आई पर आधारित करियर के लिए तैयार कर रही हैं। स्टूडेंट्स भारत में संबद्ध उच्च शिक्षण संस्थानों में अब ये एप्लीकेशन निशुल्क इस्तेमाल कर सकेंगे। यह टूलकिट पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और क्रेडेंशियल्स के साथ अडोबी के क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराएगी, जिससे स्टूडेंट्स ग्रेजुएट होते-होते विशेष कौशल भी प्राप्त कर सकेंगे। अडोबी की यह घोषणा भारत सरकार के क्रिएट इन इंडिया के उद्देश्य पर जोर देती है। इससे यूनियन बजट 2026 का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जो साल 2030 तक एनिमेशन, विज्युअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (ए.वी.जी.सी) क्षेत्रों में दो मिलियन नौकरियों का निर्माण करने पर केंद्रित है। अडोबी भारत सरकार के साथ साझेदारी में उद्योग द्वारा प्रमाणित अपने पाठ्यक्रम के साथ अपनी पहली ए.आई पेशकश उन 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में निशुल्क देगा, जहाँ पर कंटेंट क्रिएटर लैब मौजूद है। अडोबी के चेयरमैन एवं सी.ई.ओ, शांतनु नारायण ने कहा, अडोबी भारत में लाखों स्टूडेंट्स को क्रिएटिविटी के अवसर और ए.आई कौशल प्रदान कर रहा है, जिससे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

भिवंडी महानगरपालिका में मराठी पत्रकारिता के जनक बालशास्त्री जांभेकर की जयंती पर किया गया अभिवादन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 29-12-2025 के परिपत्रक के अनुसार, आज 20 फरवरी 2026 को मराठी पत्रकारिता के जनक बाळशास्त्री जांभेकर की जयंती के अवसर पर भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से उन्हें भावपूर्ण अभिवादन किया गया। मनपा मुख्यालय के तलमहला पर आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हाथों बाळशास्त्री जांभेकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उप-आयुक्त (मुख्यालय) विक्रम दराडे, शहर अभियंता जमील पटेल, सहायक आयुक्त (निवडणूक) नितीन पाटिल, शहर विकास विभाग प्रमुख अरविंद घुगरे सहित मनपा के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के माध्यम से बाळशास्त्री जांभेकर के सामाजिक, शैक्षणिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

TATA.ev ने Punch.ev का नया अवतार लॉन्च किया

मुंबई। ईवी को मेनस्ट्रीम करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, भारत में जीरो एमिशन पर्सनल मोबिलिटी सॉल्यूशंस के लीडिंग प्रोवाइडर, TATA.ev ने आज अपने पॉपुलर Punch.ev का नया अवतार लॉन्च किया, जिससे भारत में बड़े पैमाने पर इवी अपनाने की नई लहर शुरू हो गई है। एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को डेमोक्रेटाइज करने के लिए डिजाइन की गई, नई Punch.ev उन सभी चीजों को एक साथ लाता है जो कस्टमर न सिर्फ अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार में बल्कि अपनी पहली घरेलू कार में भी चाहते हैं। यह इवी ओनरशिप को रोकने वाली मुख्य रुकावटों - अफोर्डेबिलिटी, रेंज कॉन्फिडेंस, चार्जिंग सुविधा और बैटरी एश्योरेंस- को पूरी तरह से दूर करता है।

विधायक संजय उपाध्याय ने किया वर्तिका फिजियोथैरेपी क्लिनिक का उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरीवली विधानसभा के लोकप्रिय भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने फिजियोथैरेपी चिकित्सा के क्षेत्र में तेजी से लोकप्रिय हो रही वर्तिका फिजियोथैरेपी क्लिनिक की ओल्ड अशोक नगर बिल्डिंग, वजीरा, बोरीवली पश्चिम स्थित नई शाखा का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में स्थानीय नगरसेविका श्रीमती श्वेता कोरेगांवकर, गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ सौरभ सांगोरे, नगर सेविका डॉक्टर शिल्पा सांगोरे, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ दिनेश सिंह, दहिसर मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ मिलिंद तावते उपस्थित रहे। क्लीनिक के संचालक डॉ देवेंद्र चतुर्वेदी तथा डॉ वर्तिका चतुर्वेदी ने समस्त अतिथियों का सम्मान किया तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में गीता मसूरकर, डॉ तन्वी, नेत्रा, दीपाली राजू भैया ,सुनील देवार्त आदि का समावेश रहा। वर्तिका फिजियोथैरेपी क्लीनिक की मुख्य शाखा कांदिवली पूर्व के ठाकुर विलेज में है जहां क्लीनिक को मिल रही लगातार सफलता से उत्साहित होकर दूसरी शाखा खोली गई है।

भवन निर्माता बाबूसिंह राजगुरु का गृह प्रवेश समारोह संपन्न, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने दी मंगलकामना

जगदीश पी. पुरोहित

ठाणे (उत्तरशक्ति)। विराज टॉवर पोकरण रोड़ नं. 2 में गीता एवं बाबूसिंह राजगुरु का गृह प्रवेश एवं वास्तु पूजन समारोह, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के केबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके करकमलों द्वारा यह कार्यक्रम विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इसी अवसर पर सुमेरपुर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान पृथ्वीराज पुरोहित, संगीता देवी एवं घनश्याम पुरोहित ने भी शुभकामनाएं दीं।

उनके पुत्र अशोक व उनकी पत्नी समीक्षा के साथ पूजन का सौभाग्य प्राप्त किया । गृह पूजन का मांगल्य पुत्रियों व दामादों : डिम्पल व एड. राहुलसिंह खींवसर, रीना व अरविंदसिंह चाडवास एवं शीतल व पोरससिंह चाडवास ने निर्वाह किया। पूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें भाई किशोरसिंह राजगुरु व अन्य परिजनों, समाजबंधुओं और अतिथियों सहित सम्मिलित हुए। इस अवसर पर समाजसेवी एवं भवन निमार्ता बाबूसिंह राजगुरु ने मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा का पारंपरिक साफा पहनाकर भव्य सत्कार किया। उपस्थित अतिथियों ने परिवार को नए गृह के लिए शुभकामनाएं दी और सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन स्थल पर श्रद्धा, आस्था और पारिवारिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। गृह प्रवेश के पावन अवसर पर पुष्प गुच्छ भेट करते हुए जगदीश पुरोहित आदर्श होटल बसंत के साथ डॉ. महेश पोसिंतरा, कानसिंह तिवरी, सुरेशसिंह शिवतलाव लोनावला, राजुभाई समरानी, राणसिंह साकरना, रामसिंह धर्मधारी, हिरसिंह सेपटावास, पत्रकार सुरेश पाड़ीव व विशनसिंह एफ. क्रांति, कपूर रामावत, कनुभाई रावल, देवीसिंह सोकड़ा, राजुसिंह पिलोवनी, गणपत कोठारी, कपूर बोहरा, कांतिलाल रावल, सीए किरणसिंह व विक्रमसिंह भाचुंदा, जीतेन्द्रसिंह जीतूभाई नेतरा, प्रवीणसिंह डूंगरी, किशनसिंह घैनड़ी, लक्ष्मण परिहार, गिरिराज लखोटिया, गोविंद सरतरा समेत सैकड़ो राजपुरोहित समाज बंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण भी किया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती मीरा भायंदर नगर निगम द्वारा मनाया गया

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर 19 फरवरी 2026 शाम 6:00 बजे घोड़बंदर किले में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर श्रीमती डिंपल मेहता, उप महापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, तथा आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा, (बी.पी.एस.) ने किया। प्रारंभ में महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पूर्व महापौर, पूर्व उप महापौर, वर्तमान और पूर्व पार्षद, अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त, विभागाध्यक्ष, सहायक आयुक्त, तथा नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिव के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियां ऐतिहासिक परंपराओं को प्रदर्शित करने वाली गतिविधियां और राष्ट्रीय नायक के रूप में महाराज के कार्यों का गुणगान करने वाले कार्यक्रम शामिल थे। घोड़बंदर किले जैसे ऐतिहासिक धरोहर स्थल पर आयोजित इस कार्यक्रम ने जयंती समारोह को विशेष ऐतिहासिक महत्व प्रदान किया। नगर निगम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐतिहासिक मूल्यों का प्रसार करना, संस्कृति का संरक्षण करना और नागरिकों में ऐतिहासिक गौरव को बढ़ाना था। यह कार्यक्रम अनुशासित, सुनियोजित और उत्साहपूर्ण वातावरण में छत्रपति शिवाजी महाराज के जयंती कार्यक बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

पालघर जिले में 9 आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों को मिला एनएक्यूएस राष्ट्रीय मानक

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में 9 आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनएक्यूएस) प्राप्त हुआ है। यह मानक भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किया जाता है।

यह जानकारी जिला परिषद द्वारा आयोजित एक बैठक में दी गई, जिसमें जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड की अध्यक्षता में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे,आर एम ओ डॉ. योगेश सुरलकर, डीआरसीएचओ डॉ. वैदेही मालवी, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. सचिन वाघमारे, जिला नोडल अधिकारी (एनक्यूएएस) तथा प्रभारी जिला कार्यक्रम व्यवस्थापक डॉ. प्रांजली सावे अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने भाग लिया। इन केंद्रों का मूल्यांकन किया गया था, जिसमें सेवा गुणवत्ता, औषधि व साधन सामग्री की प्रबंधन, मरीजों की देखभाल, स्वच्छता, और सुरक्षा जैसे प्रमुख पहलुओं को ध्यान में रखा गया। जिन 9 केंद्रों को यह मानक प्राप्त हुआ है, उनमेंजव्हार तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रः जामसर, नांदगाव, साकुर, साखरशेत, विक्रमगड तहसील का तलवाडा, वसई तहसील का भाताणे, तलासरी तहसील का आमगाव, डहाणू तहसील का पोलवड, इसके अलावा, जव्हार तहसील जिले का पहला तहसील बन गया है, जिसमें सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय मानक प्राप्त हुआ है। साथ ही, डहाणू तहसील के सामवन स्वास्थ्य केंद्र ने भी मानक के लिए आवेदन किया है।

यह मानक सिर्फ गुणवत्ता का मापदंड नहीं है, बल्कि यह उन निरंतर और सामूहिक प्रयासों का फल है, जिन्होंने रोगियों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की हैं। जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड ने इसे जिले के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया और कहा कि यह प्रमाणपत्र जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता का प्रतीक है। इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी गई तथा उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की गई।

गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत दिवस पर मुंबई में मुफ्त चिकित्सा शिविर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंद-दी-चादर के रूप में विख्यात गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत दिवस के उपलक्ष्य में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (दक्षिण स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग) द्वारा 14 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। यह शिविर निरंतर जारी है। यह आयोजन दक्षिण स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विरेन्द्र वी. मोहिते के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सहायक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमोल दर्रोई, डॉ. मनीष सार्दुल एवं समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के अधिकारियों ने शिविर का सफल संचालन किया। शिविर का आयोजन प्रभा देवी स्वास्थ्य केंद्र, आरसीएच-2 स्वास्थ्य केंद्र, सासमीरा स्वास्थ्य केंद्र, वर्ली कोलीवाडा स्वास्थ्य केंद्र, जीजामाता नगर स्वास्थ्य केंद्र, एन.यू.एच.एम. स्वास्थ्य केंद्र, एम.एच. कम्पाउंड स्वास्थ्य केंद्र एवं करी रोड स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित इस मुफ्त चिकित्सा शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने लाभ उठाया। शिविर में शिशुओं एवं माताओं के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही नागरिकों के लिए मुफ्त रक्तचाप जांच, मलेरिया एवं मधुमेह (शुगर) की रक्त जांच, वजन मापन, ईसीजी जांच तथा संबंधित बीमारियों की दवाइयों का वितरण भी किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित कर्मचारियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए गुरु तेग बहादुर को श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनकी शहादत को स्मरण किया।

बेस्ट समिति के सदस्य के तौर पर अजय सिंह का मनोनयन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की प्रतिष्ठित बेस्ट समिति के सदस्य के रूप में अजय सिंह का मनोनयन किया गया है। इस अवसर पर क्षत्रिय गौरव सेवा संस्था द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष विजय सिंह गब्बर के नेतृत्व में मुंबई के महाराजा होटल, अंधेरी पूर्व में संपन्न हुआ। समारोह के दौरान संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अजय सिंह को उनकी नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य तथा सफल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। अजय सिंह ने समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और उनकी कार्यशैली को समाज में सराहा जाता है। अजय सिंह उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर की मड़ियाहूं तहसील अंतर्गत ग्राम अढ़नपुर (जमालापुर) के निवासी हैं, और नारायण सिंह के सुपुत्र हैं। उन्होंने मुंबई के सांताक्रुज क्षेत्र से अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की और अब 'बेस्ट' समिति के सदस्य के रूप में एक नया अध्याय शुरू किया है। इस मनोनयन से अजय सिंह की समाज सेवा की दिशा में और भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, ऐसा लोगों द्वारा विश्वास व्यक्त किया जा रहा है। समारोह में समाज के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इसे और भी गरिमामयी बना दिया। इस अवसर पर विजय सिंह गब्बर, राम सुरेश सिंह, राकेश सिंह, नन्दलाल सिंह, दिग्विजय सिंह, विनोद सिंह, सुरेंद्र सिंह, घनश्याम सिंह, राजहंस सिंह, सुधाकर सिंह विशेन व महेश सिंह चौहान सहित समाजबंधु उपस्थित थे।

यात्रा के दौरान कैसे रखें ओरल हाइजीन का ख्याल

मुंबई/पटना। डॉ. सोनिया दत्ता, एमडीएस, पीएचडी, प्रोफेसर, पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री के अनुसार, रीसर्च से पता चला है 40 फीसदी से अधिक लोग यात्रा के दौरान दिन में कम से कम एक बार ब्रश करना स्किप कर देते हैं और फ्लाइट में डीहाइड्रेशन के कारण मुंह में लार कम बनने लगती है। इस वजह से ओरल हेल्थ पर बुरा असर होता है।

यात्रा के दौरान बहुत कुछ बदलता है, खाना, पानी और टेम्परेचर सब कुछ नया होता है। आयुर्वेदिक हर्ब्स इन सभी बदलावों से निपटने में कारगर हो सकते हैं। जैसे की पुदीना सत्व सांसों को ताजगी देता है, लौंग का तेल एंटीबैक्टीरिल सुरक्षा देता है और कपूर सेंसिटीविटी से बचाता है। डाबर रैड पेस्ट में ये सभी हर्ब्स हैं, यह पेस्ट आईडीए सील ऑफ एक्सेप्टेन्स के साथ आता है। ऐसे में यह यात्रा के दौरान आपके मुंह की देखभाल के लिए भरोसेमंद विकल्प है। यात्रा पर जाना हमें एक नई एनर्जी देता है, लेकिन अक्सर यात्रा के दौरान हमारी दिनचर्या बिगड़ जाती है। लम्बी फ्लाइट, जोन बदलना, एयरपोर्ट पर स्नैकिंग और पानी बदलना।

पालघर मिनी सरस व ग्लोबल कोकण महोत्सव में विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने की विशेष शिरकत

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में आयोजित पालघर मिनी सरस ' और ' ग्लोबल कोकण महोत्सव ' में विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी और उनकी पत्नी डॉ. आरती सूर्यवंशी (समुपदेशक, मानसोपचार विशेषज्ञ, लेखिका व वक्ता) ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्टॉल्स का दौरा किया और महिला स्वयंसहायता समूहों के सदस्याओं से संवाद स्थापित किया।

डॉ. विजय सूर्यवंशी ने महिला समूहों द्वारा तैयार की गई हस्तकला, घरेलू उत्पादों और खाद्य पदार्थों के स्टॉल्स का निरीक्षण किया। उन्होंने इन उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की और कुछ वस्तुएं खरीदकर महिलाओं को प्रोत्साहित किया। डॉ. सूर्यवंशी ने स्थानीय स्तर पर गुणवत्ता वाले उत्पादों की सराहना की और कहा कि पालघर मिनी सरस व ग्लोबल कोकण महोत्सव में महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को देखकर खुशी हुई। यह गर्व की बात है कि यहां इतनी अच्छी गुणवत्ता का सामान तैयार हो रहा है। ऐसे आयोजनों को सभी को समर्थन देना चाहिए। डॉ. आरती सूर्यवंशी ने भी महिला समूहों के सदस्यों से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते और उमेद अभियान के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सड़क किनारे खड़े व्यक्ति की अनियंत्रित बाइक की टक्कर से मौके पर मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र के निवासी 55 वर्षीय डॉक्टर राम प्रताप प्रजापति की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। घटना 19 फरवरी की रात करीब 10 बजे की है। वह थाना सरायख्वाजा क्षेत्र के छतौरा मल्हनी में एक बारात में शामिल होने गए थे।

बताया जा रहा है कि बारात सड़क किनारे खड़ी थी और राम प्रताप प्रजापति रोड की पटरी पर खड़े थे। इसी दौरान मल्हनी की ओर से तेज रफ्तार और अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, लेकिन भीड़ में से कोई काफी देर तक उन्हें उपचार के लिए अस्पताल नहीं ले गया। समय पर इलाज न मिलने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक राम प्रताप प्रजापति ग्राम सधनपुर, थाना खुटहन के निवासी थे और खुटहन हॉस्पिटल रोड पर मेडिकल स्टोर का संचालन करते थे। उनके परिवार में पत्नी सुमित्रा देवी (50), दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। सभी बच्चों का विवाह हो चुका है। घटना की सूचना मिलते ही सरायख्वाजा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रखवा दिया है।

अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर भीड़ इतनी संवेदनहिन कैसे हो गई, वह व्यक्ति जब बारात गया था तो जाहिर सी बात है कि उसके साथ में गांव के और भी लोग साथी संगाती भी गए होंगे अगर समय रहते लोग उनको उपचार के लिए भेज देते तो शायद उनका जीवन बच जाता और एक परिवार समय से पहले ना उजड़ता।

आवारा कुत्तों के आतंक से मोहल्लेवासी परेशान

अब तक कई लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं आवारा कुत्ते

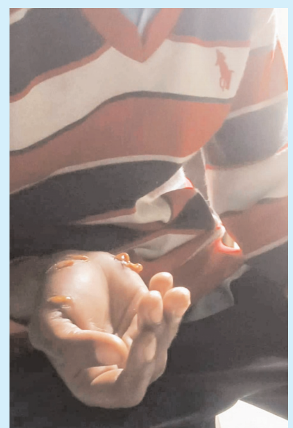

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के बावजूद नगर पालिका जौनपुर के मोहल्ला अहमद खां मंडी वार्ड नंबर 7 वाजिद पुर दक्षिणी में इन दिनो आवारा कुत्तों का काफी आतंक है। झुंड के झुंड आवारा कुत्ते हर गली में नजर आते है जो कि स्कूल और कोचिंग जाने वाले बच्चों को अपना शिकार बनाते है। हर हफ्ते कोई न कोई बच्चा या औरतें ,राहगीर इन कुत्तों के काटने से घायल हो रहे हैं। मोहल्ले वासियों ने नगर पालिका से अनुरोध किया है कि जनहित में इन आवारा कुत्तों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा निदेशों के पालन में मोहल्ले गलियों से हटा कर उचित आश्रय घरों में ले जाने की व्यवस्था करे।

अपने भ्रष्ट कारनामों की वजह से चर्चा में बना केराकत का पूर्ति निरीक्षक कार्यालय

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश और केंद्र सरकार जहां हर गरीब परिवार को प्रति माह सरकारी कोटे की दुकान से मुफ्त राशन उपलब्ध कराने का अभियान चला रखा है, वहीं पूर्ति निरीक्षक और उनके कार्यालय पूरी तरह से सरकार के इन अभियानों को पलीता लगाकर ध्वंस करने में लगा हुआ है।

पूर्ति निरीक्षक कार्यालय का हाल यह है कि भारी संख्या में नगर क्षेत्र के व दूर दराज ग्राम के पात्र लोगों द्वारा अपना राशन कार्ड बनाने अथवा अपने परिवार के छूटे सदस्यों का नाम राशन कार्ड में शामिल करने के लिए ऑनलाइन सभी प्रतिक्रिया पूरी

ईमानदार प्रदेश के मुखिया को बदनाम करने का हो रहा प्रयास, जिलाधिकारी से उठी जांच कर कार्यवाही की मांग

करने के बाद भी सत्यापन के नाम पर महीनों से ही दौड़ाया जा रहा है ऐसी स्थिति में पात्र लोग जहां सरकार की इस योजना से वंचित हैं, वहीं भ्रष्टाचार के आकंठ सागर में गोते लगा रहे पूर्ति निरीक्षक कार्यालय की गणेश परिक्रमा करने को मजबूर हैं। वहीं दूसरी तरफ सरकार को कोस रहे हैं।

सूत्र बताते हैं की पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में 500 से 1000 की मांग होती है। जो लोग देते हैं उनका राशन कार्ड बिना किसी औपचारिकता के ही पल भर में बन जाता है (बताया जाता है कि उक्त कार्य पर्दे के पीछे से कुछ कोटेदारों के जरिए यह कार्य किया जाता है। आम जनमानस में सरकार को कोसते नजर आ रहे हैं।

नहीं बर्दाश्त हुई प्रसव पीड़ा, तो खुद ही चाकू से पेट फाड़कर निकाला बच्चा

बहराइच (उत्तरशक्ति)। जनपद से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा का दर्द सहन न कर पाने पर एक महिला ने अपना पेट चाकू से फाड़ कर नवजात बेटी को बाहर निकाल लिया। गंभीर हालत में महिला व नवजात को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। जहां के डाक्टरों ने गंभीर हालत में महिला को मेडिकल कालिज बहराइच रेफर कर दिया। बौंडी थाना क्षेत्र के नंदवल ग्राम की रहने वाली 34 वर्षीय ननकई के पति बड़कऊ की करीब 6 माह पहले मृत्यु हो चुकी है। पेट, से ननकई की आज अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई. दर्द बर्दाश्त ना होने पर ननकई ने चाकू से अपना पेट फाड़ लिया और नवजात बेटी को बाहर निकाल लिया। जैसे ही इसकी सूचना ग्रामीणों को लगी, फौरन ननकई को एंबुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने महिला व बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। डॉक्टर राजेश सोनकर व डॉक्टर शिवम मिश्रा ने बताया कि महिला ने किसी धारदार हथियार से पेट फाड़ लिया था। जिसे फखरपुर सीएचसी से बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। यहां भी इलाज के बाद जब हालत में सुधार नहीं दिखा तो महिला को लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। नवजात स्वस्थ है जिसे महिला विंग के एसएनसीयू वार्ड में रखा गया है। वहीं महिला द्वारा किए गए इस कार्य के बाद लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राजकीय आईटीआई में छात्रों को मतदाता बनने के लिए किया गया प्रेरित

जनपद के 3 राजकीय और 121 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में चलेगा मतदाता जागरूकता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी /जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र जी के नेतृत्व में जनपद में चल रही स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत शुक्रवार को गठित निर्वाचन साक्षरता क्लब द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्धीकपुर में प्राचार्य मनीष कुमार पाल की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जहाँ छात्रों को लोकतंत्र के महत्व बताते हुए निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने और सभी पात्र लोगों को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया गया और छात्राओं को जिम्मेदारी दी गई कि वे अन्य लोगों को भी वोटर बनने हेतु जागरूक करें। इस दौरान उपस्थित लोगों को ईसीआई एनईटी ऐप डाउनलोड कराया गया और मतदाता की शपथ भी दिलाई गई।

प्राचार्य मनीष कुमार पाल ने शिक्षक इंस्ट्रक्टर व प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थी और कर्मचारियों को वोट के महत्व के बारे में महत्वपूर्ण

जानकारी दी, और कहा कि विधानसभा निर्वाचक नामावली विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है, इसलिए 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा या जिनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है वे वोटर बनने हेतु फार्म 06 और घोषणा पत्र भरकर अपने बीएलओ को दे या आनलाइन आवेदन कर वोटर बने, तथा अपने परिवार, आस पास व अन्य पात्र लोगों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए अपने-अपने स्तर से प्रेरित व जागरूक करें।

उन्होंने बताया कि जनपद में तीन राजकीय और 121 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है जिनको निर्देशित कर दिया गया है कि वे अपने अपने संस्थान में निर्वाचन साक्षरता क्लब गठित करते हुए उसके माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए सभी अर्ह लोगों को मतदाता बनने हेतु जागरूक करते रहे।

जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने छात्रों को ईसीआई एनईटी ऐप डाउनलोड कराया और इसके बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस ऐप के माध्यम से निर्वाचन से सम्बंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु फार्म 06 भर सकते हैं, सूची से मृतक का या जिनका नाम कई जगह है नाम काटने के लिए फार्म 07 भरे एवं नाम व अन्य में त्रुटि सही करने या एक विधानसभा से दूसरी विधानसभा की मतदाता सूची में वोटर का नाम हस्तांतरित करने हेतु फार्म 08 भरकर आवेदन कर सकते हैं।

इस अवसर पर फोरमैन पी.एन. सिंह यादव, आशीष सिंह, अभिनव सिंह, अनिल कुमार यादव, शैलेंद्र यादव, सुधीर कुमार पांडेय, वैशाली, किरन नागेश्वरी, अनुराग तिवारी आदि इंस्ट्रक्टर सहित काफी संख्या में प्रशिक्षु छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश में जौनपुर का जलवा

धर्मेश यादव ने भाला फेंक में रजत, 110 मीटर हर्डल में स्वर्ण जीत रचा इतिहास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के होनहार खिलाड़ी धर्मेश यादव ने मध्य प्रदेश की धरती पर परचम लहराते हुए गोल्ड और सिल्वर मेडल अपने नाम कर जिले का मान बढ़ा दिया।

जिला मुख्यालय से सटे प्यारेपुर गांव निवासी धर्मेश यादव ने 45वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जेवलिन थ्रो में रजत पदक और 110 मीटर हर्डल दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता का आयोजन जबलपुर में हुआ, जहां देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच धर्मेश ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

भाला फेंक स्पर्धा में सटीक थ्रो के साथ उन्होंने सिल्वर मेडल जीता, जबकि 110 मीटर हर्डल दौड़ में बेहतरीन गति और संतुलन का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।

दूरभाष पर बातचीत में धर्मेश यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, शुभचिंतकों और परिजनों को दिया।

उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि उन्होंने जौनपुर मास्टर्स एथलेटिक्स के सचिव व अपने कोच डॉ.अजीत यादव (निवासी बनकट गांव) एवं जिलाजीत के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हासिल की है। नियमित प्रशिक्षण और अनुशासन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

धर्मेश यादव ने कहा कि उनका लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी जौनपुर का नाम रोशन करना है। जिले के खेल प्रेमियों ने उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की है।

पुरानी रंजिश को लेकर पूर्व व वर्तमान सभासद भिड़े, मारपीट में दोनों पक्ष से सात घायल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत के सलारगंज वार्ड के पूर्व व वर्तमान सभासद में गुरुवार को विवाद हो गया। मारपीट में दोनों पक्ष से सात लोग घायल हो गया सभी घायलों का मेडिकल मुआयना पीएचसी सोंधी में कराया गया। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को मामूली कहासुनी को लेकर दोनों पक्ष में विवाद हो गया था बात इतनी बढ़ गयी कि दोनों पक्ष से लाठियां चटखने लगी जिसमे एक पक्ष पूर्व सभासद गयासुद्दीन 41 वर्ष व ताजमोहम्मद 50 वर्ष घायल हो गए था दूसरे पक्ष से वर्तमान सभासद मो0 आसिम 35 वर्ष, मो0 शाहनवाज 37 वर्ष मो0 सैफ 19 वर्ष, अब्दुल हलीम 48 वर्ष मो फहद 27 वर्ष घायल हो गए सभी घायलों का उपचार पीएचसी सोंधी में कराया गया। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि दोनों पक्ष की तहरीर पर एक पक्ष से 6 लोगो व दूसरे पक्ष से 4 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने पुलिस कार्यालय में की जनसुनवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन कर जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया। जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्रों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कर आवश्यक विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

शाहगंज पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व फोटो वायरल करने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु अभियान के क्रम में आवेदक राजपत राजभर पुत्र रामसुमेर राजभर ग्राम नटौली थाना शाहगंज जनपद जौनपुर द्वारा लिखित तहरीर दी गयी,कि राजेश भारद्वाज पुत्र सिकन्दर ग्राम धनीपुर थाना फूलपुर आजमगढ मेरी लडकी से कई सालो से बात चीत करता था उसको अपने प्रेम जाल में फंसाकर बहला फुसला कर मेरी लडकी का बिना कपडो का अपत्तिजनक फोटो विडियो दिखाकर वायरल करने की धमकी देकर मेरी लडकी के साथ शारीरिक सम्बन्ध मेरे घर पर ही आकर बनाया तथा फर्जी आइडी बनाकर फोटो फेसबुक और इंस्ट्राग्राम पर अपत्तिजनक फोटो वायरल कर दिया। जिसके सम्बन्ध में थाना शाहगंज पर मु0अ0स0-0034/2026 धारा 69 भारतीय न्याय संहिता 2023 व 67ए आई0 टी0 एक्ट थाना शाहगंज जनपद जौनपुर पंजीकृत था। आज दिनांक 20.02.2026 को मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त राजेश भारद्वाज पुत्र सिकंदर राजभर निवासी ग्राम धनीपुर बिसरांई थाना फूलपुर जनपद आजमगढ को मलमल पुलिया शाहगंज से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

दस माह की शादी का दर्दनाक अंत

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दस माह पूर्व हुए विवाह का एक दर्दनाक अंत हो गया, जिससे परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सरपतहां थाना क्षेत्र के सारायमोहिद्दीनपुर निवासी बद्री प्रजापति ने अपनी लगभग 27 वर्षीय पुत्री मनीता उर्फ पूनम का विवाह नगर के दादर बाईपास स्थित उसरा भादी निवासी रामचंदर प्रजापति के 28 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार के साथ पूरे धार्मिक रीति-रिवाज से किया था। बताया जाता है कि शादी के शुरूआती कुछ माह सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में किसी न किसी बात को लेकर पति, सास और ससुर से विवाद होने लगा। मायके पक्ष का आरोप है कि विवाहिता को प्रताड़ित किया जाता था। गुरुवार की रात लगभग साढ़े बारह बजे ससुराल पक्ष की ओर से मायके फोन कर सूचना दी गई कि मनीता ने दुपट्टे के सहारे पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। मृतका के दो भाई–एक रेलवे में कानपुर में कार्यरत तथा दूसरा पीएसी में तैनात–तुरंत शाहगंज के लिए रवाना हुए और शुक्रवार सुबह पहुंचे। परिजनों के पहुंचने तक शव को पंखे से उतारा जा चुका था। ससुराल पक्ष द्वारा घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को शुक्रवार दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया और जांच शुरू कर दी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के इंतजार में पुलिस, जांच जारी

ससुराल पक्ष का पक्ष: ससुराल पक्ष का कहना है कि मनीता प्रतिदिन की भांति गुरुवार को भोजन के बाद रात लगभग आठ बजे अपने कमरे में चली गई थी। उसका पति संजीव कुमार, जो बनारस में रहकर पराग डेयरी में कार्य करता है, फोन कर रहा था, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रही थी। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद जब दरवाजा खोला गया तो वह पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकी मिली।

भाई ने लगाए गंभीर आरोप: मृतका के बड़े भाई ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि आत्महत्या थी तो पुलिस को तत्काल सूचना क्यों नहीं दी गई और बिना पुलिस की मौजूदगी के शव को क्यों उतारा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कमरे में खून के निशान मिले हैं तथा विवाहिता को अस्पताल नहीं ले जाया गया।

पुलिस का बयान: इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक किरण कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

हाईस्कूल की परीक्षा देने आया छात्र नदी में कूदा, संयुक्त प्रयास से बची जान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक 20 वर्षीय छात्र ने बाग लखराव पुलिया से तमसा नदी में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस, पीआरवी टीम और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए संयुक्त अभियान चलाया और युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकिल प्रजापति, निवासी जनपद आजमगढ़, हाईस्कूल की परीक्षा देने आया था। इसी दौरान उसने नदी में छलांग लगा दी। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और युवक को सकुशल बाहर निकालकर तत्काल उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा। परिजनों ने बताया कि छात्र मानसिक रूप से अस्वस्थ है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता और मानवीय पहल के कारण एक अमूल्य जीवन की रक्षा संभव हो सकी।

पेपर खराब होने पर ट्रेन के आगे कूदकर छात्रा ने दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जंघई क्षेत्र के चौकी कला गाँव की एक किशोरी हिन्दी का प्रश्नपत्र ठीक नही होने पर ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी मौके पर पहुँची जीआरपी जंघई पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जंघई के चौकी कला गाँव निवासी सुरेश जैसवार की बेटी गरिमा जैसवार 15 वर्ष आरडी मेमोरियल मार्डन कान्वेंट इण्टरमीडिएट कालेज जंघई प्रयागराज की हाईस्कूल छात्रा थी उसका सेन्टर श्रीदेवी प्रसाद इण्टर कालेज पिलखिनी जंघई प्रयागराज गया था। शुक्रवार की सुबह गरिमा 7 बजे घर से साइकिल से सोशल साइंस का परिक्षा देने के लिए निकली वह जंघई फाटक से पूरब तरफ साइकिल खड़ी करके जौनपुर से प्रयागराज जा रही एजे पैसेंजर ट्रेन के सामने कूद कर आत्म हत्या कर ली। सूचना मिलते ही मीरगंज जंघई व सरायममरेज जंघई की पुलिस तथा आरपीएफ व जीआरपी जंघई मौके पर पहुंच गये शव जीआरपी जंघई क्षेत्र मे होने के कारण जीआरपी ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा की मौत की सूचना मिलने पर मौके पर परिजन भी पहुंच गये परिजनों में कोहराम मच गया चचेरे चाचा राजेश ने बताया की हिन्दी का पेपर ठीक नही गया और तीन प्रश्नपत्र छूट गये थे जिसको लेकर गरिमा तनाव में थी। जीआरपी जंघई प्रभारी अरुण कुमार मिश्रा का कहना है की मृतक के परिजनों ने बताया कि हिंदी का पेपर ठीक नहीं गया इस लिए मृतक गरिमा तनाव में थी शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश यादव डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के मुख्य चुनाव अधिकारी बने

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025-2026 के चुनाव हेतु एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र का चुनाव कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। उनके सहयोग के लिए, सुरेश सिंह कुशवाहा एडवोकेट व राजकुमार सिंह पटेल एडवोकेट को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है और कहा कि चुनाव अधिकारी को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी होती है। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना, जिसमें मतदान, मतगणना और परिणामों की घोषणा शामिल है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि चुनाव का समय सारणी घोषित कर दिया गया है नामांकन प्रपत्र वितरण व जमा 23 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक, नामांकन सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र पर आपत्ति तथा नामांकन प्रपत्र की जांच व आपत्ति का निस्तारण 25 फरवरी 2026 को व वैध नामांकन सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र वापसी व अंतिम सूची का प्रकाशन 26 फरवरी 2026 को व निशुल्क मतदाता सूची का वितरण 27 फरवरी को व टेंडर मतदान 7 मार्च 2026 को होगा तथा मतदान की तिथि 9 मार्च 2026 को नियत की गई उसी दिन मतगणना होगी तथा उसी दिन परिणाम की घोषणा होगी तथा एल्डर कमेटी द्वारा शपथ ग्रहण भी कराया जाएगा। इस अवसर एल्डर कमेटी के मुख्तार अली एडवोकेट, निर्मलेंद्र कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, रमेश चंद्र सिंह एडवोकेट व छोटे लाल गौतम एडवोकेट उपस्थित रहे।

आउटसोर्सिंग के नाम पर युवाओं का हो रहा शोषण: डॉ.रागिनी सोनकर

- पावर कॉरपोरेशन के 78,000 आउटसोर्सिंग कर्मचारी हटने पर कहाँ जाएंगे
- आउटसोर्सिंग पर समान कार्य समान मानदेय पर सरकार विचार करेगी
- विधानसभा में डॉ.रागिनी सोनकर ने श्रम सेवायोजन मंत्री से पूछा सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सत्र में आज शुक्रवार को आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मुद्दे पर जोरदार आवाज उठी।सपा विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने श्रम सेवा योजना मंत्री से प्रदेश के लाखों आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न किए।

डॉ.सोनकर ने कहा कि प्रदेश में लाखों कर्मचारी आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत हैं, जिन्हें मात्र 10 से 12 हजार रुपये मानदेय पर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है। न तो उनके कार्य समय का निर्धारण है और न ही सुरक्षित कार्य वातावरण की गारंटी। विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के शोषण की स्थिति पर उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर कंपनियों के माध्यम से भ्रष्टाचार और शोषण का सिलसिला जारी है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की अस्थायी नियुक्ति के कारण तीन वर्ष बाद उनके भविष्य की कोई गारंटी नहीं होती, जिससे असुरक्षा और भ्रष्टाचार की स्थिति और बढ़ती है।

डॉ.सोनकर ने पूछा कि जिस पद पर स्थायी कर्मचारी कार्यरत हैं, उसी पद पर कार्य कर रहे आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को क्या सरकार समान कार्य के लिए समान वेतन देगी।

उन्होंने सरकार द्वारा ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'डी' पदों पर लगी रोक का मुद्दा उठाया और कहा कि स्वीकृत पदों के सापेक्ष बड़ी संख्या में पद खाली हैं। उन्होंने बताया कि कार्यरत कर्मचारियों में लगभग 30% दलित और 70% ओबीसी वर्ग से आते हैं। स्थायी भर्तियों को रोककर आउटसोर्सिंग को बढ़ावा देना सामाजिक न्याय के विरुद्ध है।

डॉ.सोनकर ने सदन के पटल पर दिसंबर 2025 में जारी एक पत्र का उल्लेख किया, जिसमें पावर कॉर्पोरेशन द्वारा 78,000 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को हटाने की बात कही गई है। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल किया–78,000 लोग कहाँ जाएंगे।

डॉ.सोनकर ने मांग की कि जो कर्मचारी तीन वर्ष से अधिक समय से आउटसोर्सिंग पर कार्य कर रहे हैं, उन्हें स्थायी करने पर सरकार तत्काल विचार करे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युवाओं को अस्थायी व्यवस्था में रखकर शोषण करना उचित नहीं है। सरकार को पारदर्शी और न्यायसंगत रोजगार नीति बनानी चाहिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने थाना कोतवाली का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा थाना कोतवाली का किया गया औचक निरीक्षण। दिनांक-20.02.2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा थाना कोतवाली का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, अभिलेखों, शस्त्रागार, हवालात, मालखाना एवं थाना परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण तथा थाना परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन से विनम्र एवं शिष्ट व्यवहार बनाए रखने, शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

चंदौली में दर्दनाक सड़क हादसा: आमने-सामने टक्कर में इकलौते बेटे की मौत

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद के चकिया थाना क्षेत्र अंतर्गत अम्मर डहिया गांव में देर शाम दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी दो बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं। बताया जा रहा है कि तीनों भाई-बहन एक ही बाइक से घर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल दोनों बहनों को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गांव में शोक की लहर व्याप्त है।

हम शिव-शाहू-फुले-अंबेडकर की विरासत को आगे बढ़ाएंगे: सुनेत्रा पवार

मुंबई। शिव जयंती के इस पवित्र भूमि पर मैं आपको यही संदेश दे रही हूँ: मैं शिव-शाहू-फुले-अंबेडकर के विचारों की विरासत को कभी नहीं छोड़ूंगी, उन विचारों को जिन पर आदरणीय अजीतदादा ने अपना जीवन व्यतीत किया। नव नियुक्त उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने यह आश्वासन दिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती के अवसर पर, शिव की जन्मभूमि शिवनेरी किले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और एकनाथ शिंदे ने स्वर्ण पालना स्थापित किया और पुष्पांजलि अर्पित कर शिवाजी की जयंती मनाई। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई, संस्कृति मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, कई जन प्रतिनिधियों और हजारों शिव भक्तों की उपस्थिति रही। राज्य के उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीत पवार के निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद, शिव जयंती समारोह के अवसर पर, सुनेत्रा पवार ने शिवनेरी किले में अपना पहला भाषण दिया। इस भाषण में सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे अजीत पवार के प्रगतिशील विचारों की विरासत को संजोते हुए उनके मार्ग पर ही आगे बढ़ेंगी। महागठबंधन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सत्ता में होने के बावजूद, अजीत पवार ने विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने हमेशा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और स्थिति को दृढ़ता से प्रस्तुत किया। इसी प्रकार, सुनेत्रा पवार ने भी शिव जयंती कार्यक्रम के पहले भाषण में अपनी स्थिति स्पष्ट की। सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में भाषण दिया। इस अवसर पर उन्होंने अजीतदादा की यादों को ताजा किया और प्रगतिशील विचारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दिवंगत अजीत पवार ने अपने विचारों और कार्यों से यह स्पष्ट कर दिया था कि महायुति में सत्ता में रहते हुए भी उन्होंने अपने विचारों से कोई समझौता नहीं किया। अब, सुनेत्रा पवार ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि अजीत पवार के बाद महायुति में एनसीपी कांग्रेस पार्टी की सोच की दिशा क्या होगी। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि सुनेत्रा पवार के भाषण से संकेत मिलता है कि सत्ता में आने के इन कठिन समय में भी वह सत्ता में अपनी भूमिका और पार्टी की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाएंगी।

जौनपुर में यूपी के सबसे बड़े वाटर पार्क का उद्घाटन करेंगे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक 27 फरवरी को जौनपुर के धौकलगंज बाजार के पास कोचारी में उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े वाटर पार्क तथा रिजॉर्ट एक्वा मानसरोवर का उद्घाटन करेंगे। सुबह 11 बजे से आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, विधायक अवधेश सिंह और विधायक सुशील सिंह उपस्थित रहेंगे। इस वाटर पार्क का निर्माण मुंबई के लोकप्रिय समाजसेवी अजय सदानंद दुबे तथा उनके बड़े भाई पूर्व प्रधान विनय सदानंद दुबे ने कराया है। करीब 1 किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस वाटर पार्क और रिजॉर्ट ने इस क्षेत्र को सुर्खियों में ला दिया है। इसके चलते यहां स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा तथा एक बड़े क्षेत्र में लोगों को अपने परिवार के साथ छुट्टियों का आनंद उठाने का अवसर भी मिलेगा। यहां स्विमिंग पूल, रेन डांस, वाटर स्लाइस की पूरी सुविधा होगी।

रोडवेज बस की टक्कर से 10वीं की परीक्षा देने जा रहे दो छात्रों की मौत

बहराइच (उत्तरशक्ति)। शहर के नानपारा-बहराइच मार्ग पर झिंगहा घाट के पास शुक्रवार सुबह बाइक से हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे छात्रों को एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। मौके पर ही दो छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक छात्र गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। रामगांव पुलिस ने मृत छात्रों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक रिश्ते में भाई लगते हैं। वहीं एक अन्य घायल छात्र को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। रामगांव थाना के राजापुर माफी ग्राम निवासी मस्तराम (17) अपने बुआ के पुत्र रोहित (17) व ग्राम निवासी जयहिंद के साथ शुक्रवार को घर से सुबह सात बजे बाइक पर सवार होकर शहर में स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल में हाईस्कूल की परीक्षा देने के लिए निकला था। जब बाइक सवार तीनों छात्र बहराइच-नानपारा मार्ग पर झिंगहा घाट के पास स्थित हनुमान मंदिर के सामने पहुंचे तभी एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी जिसके चलते तीनों छात्र सड़क पर गिर गए। रोडवेज बस रोहित और मस्तराम को रौंदते हुए कुछ दूर आगे जाकर रुकी। जब तक आसपास के लोग दौड़े तब तक बस चालक वाहन छोड़ कर भाग निकला। मौके पर एकत्रित आसपास के लोग जब तक घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजने का इंतजाम करते तब तक मस्तराम व रोहित ने दम तोड़ दिया। थानाध्यक्ष गुरसेन सिंह ने घायल जयहिंद को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक मस्तराम के पिता आशाराम की तहरीर पर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त रोडवेज बस को मौके से बरामद कर मृत छात्रों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जहां पर हादसा हुआ वहां से महज 100 मीटर की दूरी पर रामगांव थाने की हाइवे पुलिस चौकी स्थित है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने चौकी पर घटना की सूचना देने की कोशिश की लेकिन चौकी इंचार्ज मौके पर मौजूद ही नहीं थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि 25 मिनट तक एक छात्र ने तड़पकर दम तोड़ा है। अगर सभी को तत्काल इलाज मुहैया हो जाता तो छात्रों की जिंदगी बचाई जा सकती थी।

आरओबी से सीधे रोपवे स्टेशन पहुंच जाएंगे यात्री, सकुर्लेशन एरिया में अलग-अलग होंगे ड्राप और पिक-अप जोन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देने वाली रोपवे परियोजना अब संचालन के अंतिम चरण में पहुंच गई है। यात्रियों की सुविधा और जाम की समस्या को कम करने के लिए कैंट रेलवे स्टेशन परिसर से रोपवे स्टेशन तक सीधी पहुंच सुनिश्चित करने हेतु रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाने का निर्णय लिया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत ट्रेन से उतरने वाले यात्री मुख्य सड़क पर आए बिना सीधे ऊपरी मार्ग से रोपवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। सकुर्लेशन एरिया में अलग-अलग पिकअप और ड्राप जोन बनाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को किसी तरह की दिक्कत न झेलनी पड़े।

रोपवे परियोजना के प्रारंभिक प्रस्ताव में आरओबी शामिल नहीं था, लेकिन हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में ट्रैफिक प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा के बाद इसे जोड़ा गया। अधिकारियों के अनुसार, बढ़ती भीड़ और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए परियोजना में यह संशोधन आवश्यक समझा गया। बैठक में सुरक्षा मानकों को लेकर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल से भी सुझाव लिए गए। साथ ही भीड़ प्रबंधन के वैज्ञानिक मॉडल तैयार करने के लिए देश के विभिन्न आईआईटी संस्थानों से परामर्श किया गया। इन सुझावों के आधार पर स्टेशन परिसर और रोपवे टर्मिनलों के डिजाइन में बदलाव किए गए हैं। यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए कैंट स्टेशन, काशी विद्यापीठ स्टेशन और रथयात्रा स्टेशन के आसपास नए सकुर्लेशन एरिया विकसित किए जाएंगे। ड्रॉप-ऑफ और पिक-अप जोन अलग-अलग निर्धारित होंगे, ताकि वाहनों की आवाजाही सुव्यवस्थित रहे। पार्किंग के लिए पृथक स्थान तय किया जाएगा और अतिरिक्त लेन विकसित की जाएंगी, जिससे ऑटो, टैक्सी और निजी वाहनों का प्रवाह बाधित न हो। रोपवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह एयरपोर्ट मॉडल पर आधारित होगी। प्रवेश से पहले बैगेज एक्स-रे स्कैनर से सामान की जांच होगी, जबकि प्रत्येक यात्री को डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर से गुजरना होगा। आवश्यकता पड़ने पर हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से द्वितीयक जांच भी की जाएगी। सभी स्टेशनों पर सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम स्थापित होगा, जिसकी निगरानी कंट्रोल रूम से लाइव की जाएगी। अलग एंट्री-एग्जिट गेट, आपातकालीन निकास मार्ग और आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम भी लगाए जाएंगे। सुरक्षा की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (एसएसएफ) को सौंपी जाएगी। क्विक रिएक्शन टीम की तैनाती भी की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके। एसएसएफ ने एंट्री-एग्जिट प्रबंधन, कंट्रोल रूम समन्वय और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र का विस्तृ खाका तैयार किया है।

एआई स्मार्टफोन को प्री रिजर्व करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने आगामी एआई स्मार्टफोन को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को 256जीबी से 512जीबी तक का मेमोरी अपग्रेड मुफ्त (कॉम्प्लिमेंट्री) दिया जाएगा। सैमसंग का अगला एआई फोन 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में आयोजित होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पेश किया जाएगा। ग्राहक 25 फरवरी तक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि जमा करके नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन की सुविधा सैमसंगडॉटकॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजनडॉटइन, फ्लिपकार्टडॉटकॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है।

देश की शांति और स्थिरता में सैनिकों का महत्वपूर्ण योगदान : बाबा दुबे

जौनपुर। सैनिक राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता के मुख्य स्तंभ हैं। वे अपनी जान जोखिम में डालकर सीमाओं की रक्षा करते हैं और आपदाओं के समय नागरिकों की सहायता करते हैं। अनुशासन, वीरता, और त्याग के प्रतीक सैनिक निस्वार्थ भाव से राष्ट्रसेवा करते हैं, जिससे देश में शांति और स्थिरता बनी रहती है। बदलापुर स्थित अपने आवास पर मिलने आए, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन ,जौनपुर के प्रतिनिधिमंडल से की गई मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे (बाबा दुबे) ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि सैनिकों से मुलाकात करना गौरव की बात है। संगठन द्वारा दाउदपुर (बरुआन) के पूर्व सैनिक सुनील शुक्ला को बदलापुर तहसील का संगठन अध्यक्ष बनाए जाने का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि वे संगठनकी हर जरूरतों पर उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व सैनिक राजेंद्र प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सैनिक पन्नालाल, पूर्व सैनिक अभिमन्यु मौर्या, पूर्व सैनिक सूबेदार यादव, पूर्व सैनिक देवेंद्र कुमार सिंह,वो पूर्व सैनिक जयनारायण दुबे, पूर्व सैनिक कृष्ण कुमार दुबे, वारंट अधिकारी अशोक कुमार विश्वकर्मा, पूर्व सैनिक बलराम सिंह,पूर्व सैनिक के के सिंह, पूर्व सैनिक सुनील शुक्ला के अलावा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, एडवोकेट भारत पांडे, समाजसेवी श्री प्रकाश त्रिगुणायत, सैनिक आशीष यादव आदि का समावेश रहा। जहां तक बाबा दुबे का सवाल है, वे हमेशा देश के सैनिकों के साथ खड़े रहे। अबतक करीब एक दर्जन शहीद सैनिकों के घर जाकर उनके परिजनों को अपनी निजी निधि से पांच पांच लाख रुपए की सम्मान निधि देने वाले अद्वितीय विधायक माने जाते हैं। राष्ट्र प्रेम की इसी प्रबल भावना के चलते उन्होंने बदलापुर चौराहे पर 127 फीट का तिरंगा झंडा लगाया है, जो बदलापुर का गौरव बना हुआ है।

होली से पहले खाद्य विभाग की छापेमारी, 396 किलो मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। होली पर्व के मद्देनजर आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय आजमगढ़ सुशील कुमार मिश्र के नेतृत्व में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर नमूने संग्रहित किए और संदिग्ध खाद्य पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान सरदहा स्थित एक प्रतिष्ठान से सरसों के तेल का एक नमूना, जीयनपुर से एक खोया व एक पनीर का नमूना, बनकट से एक घी व एक खोया का नमूना तथा बेलईसा से एक पनीर का नमूना लिया गया। इसके अतिरिक्त 25 किलोग्राम संदूषित पनीर (मूल्य 7,500 रुपये) को मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य सचल दल ने इटौरा मोड़ से दो खोया और एक छेना रसगुल्ला का नमूना तथा चक्रपानपुर से दो रंगीन कचरी के नमूने संग्रहित किए। साथ ही 371 किलोग्राम रंगीन कचरी (मूल्य 22,260 रुपये) जब्त की गई। दो खाद्य कारोबारियों को सुधार हेतु नोटिस जारी किया गया। संग्रहित सभी नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। सहायक आयुक्त (खाद्य) सुशील कुमार मिश्र ने बताया कि होली को देखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि पैक्ड खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी बेस्ट बिफोर और एक्सपायरी डेट अवश्य जांचें तथा चमकीली और रंगीन मिठाइयों एवं खाद्य पदार्थों से परहेज करें। छापेमारी दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रजनीश कुमार, गोविंद यादव, संजय कुमार तिवारी, सुचित प्रसाद, लालमणि यादव, शीत कुमार सिंह, अमरनाथ, बेबी सोनम एवं राजीव कुमार सिंह शामिल रहे।

स्पीड ब्रेकर न होने से दो मजदूर गंभीर, पीडब्ल्यूडी पर उठे सवाल

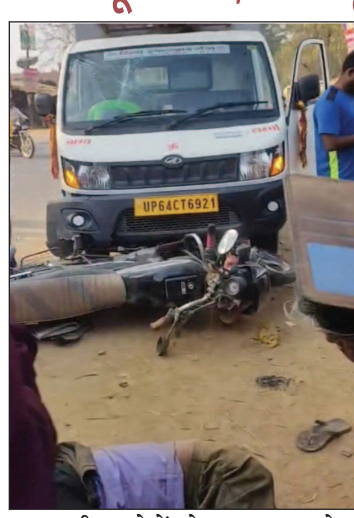

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के गुलालझरिया भठ्ठी मोड़ के पास एक बार फिर सड़क हादसा हो गया। स्पीड ब्रेकर न बनाए जाने के कारण हुई इस दुर्घटना में बाइक सवार दो तिहाड़ी मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान प्रेमनाथ पुत्र सुखलाल (लगभग 30 वर्ष) एवं शिव नारायण पुत्र बिसुर (लगभग 45 वर्ष), निवासी डुमरडीहा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों एक ही बाइक से मजदूरी करने दुद्धी जा रहे थे। इसी दौरान झारो मनबसा की ओर से बच्चों को लेकर आ रही एक मैजिक वाहन से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े। मैजिक वाहन में बैठे लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार मैजिक वाहन तेज रफ्तार में था। कुछ लोगों ने चालक पर लापरवाही और नशे में वाहन चलाने का आरोप भी लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि भठ्ठी मोड़ पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है। स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग कई बार उठाई गई और विभाग द्वारा आदेश भी जारी हुआ, लेकिन अब तक जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ। इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी छात्रसभा के विधानसभा अध्यक्ष अजय यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए उटड कार्यालय, डीएम सोनभद्र और यूपी पीडब्ल्यूडी को टैग कर विभागीय लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि ब्रेकर न होने के कारण आज फिर दो लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं, जबकि स्पीड ब्रेकर निर्माण का प्रस्ताव पहले ही पारित हो चुका है। स्थानीय लोगों ने पीडब्ल्यूडी विभाग की उदासीनता की कड़ी निंदा करते हुए जल्द से जल्द स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

भवन निमार्ता बाबूसिंह राजगुरु का गृह प्रवेश समारोह संपन्न, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने दी मंगलकामना

जगदीश पी. पुरोहित

ठाणे (पश्चिम) । विराज टॉवर पोकरण रोड़ नं. 2 में गीता एवं बाबूसिंह राजगुरु का गृह प्रवेश एवं वास्तु पूजन समारोह, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के केबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके करकमलों द्वारा यह कार्यक्रम विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इसी अवसर पर सुमेरपुर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान पृथ्वीराज पुरोहित, संगीता देवी एवं घनश्याम पुरोहित ने भी शुभकामनाएं दीं। उनके पुत्र अशोक व उनकी पत्नी समीक्षा के साथ पूजन का सौभाग्य प्राप्त किया । गृह पूजन का मांगल्य पुत्रियों व दामादों : डिम्पल व एड. राहुलसिंह खींवसर, रीना व अरविंदसिंह चाडवास एवं शीतल व पोरससिंह चाडवास ने निर्वाह किया। पूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें भाई किशोरसिंह राजगुरु व अन्य परिजनों, समाजबंधुओं और अतिथियों सहित सम्मिलित हुए। इस अवसर पर समाजसेवी एवं भवन निमार्ता बाबूसिंह राजगुरु ने मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा का पारंपरिक साफा पहनाकर भव्य सत्कार किया। उपस्थित अतिथियों ने परिवार को नए गृह के लिए शुभकामनाएं दी और सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन स्थल पर श्रद्धा, आस्था और पारिवारिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। गृह प्रवेश के पावन अवसर पर पुष्प गुच्छ भेट करते हुए जगदीश पुरोहित आदर्श होटल बसंत के साथ डॉ. महेश पोसिंतरा, कानसिंह तिवरी, सुरेशसिंह शिवतलाव लोनावला, राजुभाई समरानी, राणसिंह साकरना, रामसिंह धर्मधारी, हिरसिंह सेपटावास, पत्रकार सुरेश पाड़ीव व विशनसिंह एफ. क्रांति, कपूर रामावत, कनुभाई रावल, देवीसिंह सोकड़ा, राजुसिंह पिलोवनी, गणपत कोठारी, कपूर बोहरा, कांतिलाल रावल, सीए किरणसिंह व विक्रमसिंह भाचुंदा, जीतेन्द्रसिंह जीतूभाई नेतरा, प्रवीणसिंह डूंगरी, किशनसिंह घैनड़ी, लक्ष्मण परिहार, गिरिराज लखोटिया, गोविंद सरतरा समेत सैकड़ो राजपुरोहित समाज बंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण भी किया गया।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया डायवर्सिफाइड टेक्नोलॉजी फंड, लक्ष्य- एआई, डेटा सेंटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म

मुंबई। एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एलआईसी एमएफ टेक्नोलॉजी फंड के लॉन्च की घोषणा की है. यह एक थीमैटिक इक्विटी स्कीम है, जिसे भारत के बढ़ते तकनीकी परिदृश्य में व्यापक एक्सपोजर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसका दायरा पारंपरिक आईटी सेवाओं से आगे तक होगा. इसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 फरवरी को खुलेगा और 6 मार्च को बंद होगा. उसके बाद स्कीम 19 मार्च से निरंतर सब्सक्रिप्शन और रिडेम्पशन के लिए दोबारा खुलेगी. फंड का प्रबंधन करण दोशी और जयप्रकाश तोशनीवाल द्वारा संयुक्त तौर पर किया जाएगा. इसे बीएसई टीईसीके टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) पर बेंचमार्क किया जाएगा. एलआईसी एमएफ टेक्नोलॉजी फंड का उद्देश्य पारंपरिक आईटी-केंद्रित योजनाओं से अलग हटकर टेक्नोलॉजी से संचालित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने का है, जिसमें सेमीकंडक्टर से जुड़ी कंपनियां, डेटा सेंटर ऑपरेटर, डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म, इंटरनेट बिजनेस और उभरती टेक्नोलॉजी कंपनियां शामिल हैं. एलआईसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के. झा ने कहा, ह्यह्यआम बजट 2026-27 ने सेमीकंडक्टर के विकास और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया है. जैसे-जैसे भारत का टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन से एआई अपनाने की ओर बढ़ रहा है, हमें लिस्टेड इक्विटीज में कई वर्षों का संरचनात्मक अवसर दिख रहा है।

फोनपे ने वढकपेमेंट्स के लिए लॉन्च किया बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन

मुंबई। फोनपे ने आज वढक पेमेंट्स के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे यूजर्स को पहले से कहीं तेज और 'वन-टच' पेमेंट एक्सपीरियंस मिलेगा। यह नया फीचर यूजर्स को उनके स्मार्टफोन पर पहले से मौजूद सुरक्षा प्रणाली जैसे कि फिंगरप्रिंट या फेस रिकग्निशन का उपयोग करके ट्रांजेक्शन को ऑथराइज करने की सुविधा देता है। इससे, अब पेमेंट के लिए मैन्युअल रूप से वढक पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। इसे लॉन्च के साथ, फोनपे उन चुनिंदा बड़ी कंपनियों में शामिल हो गया है जो इस फीचर को इतने बड़े स्तर पर मार्केट में लेकर आई हैं। यह फीचर, यूजर को पेमेंट में आने वाली आम समस्याओं को दूर करके डिजिटल पेमेंट की सुरक्षा और उस पर भरोसे, दोनों को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह डिवाइस-लेवल बायोमेट्रिक वेरिफि केशन के उपयोग से सुनिश्चित करता है कि यूजर्स भीड़ वाली जगहों पर भी सुरक्षित ट्रांजेक्शन कर सकें। इस फीचर से, यूजर्स का पिन, ट्रांजेक्शन के समय किसी अन्य व्यक्ति के देख लेने या लीक होने का खतरा खत्म हो जाएगा। सुरक्षा के साथ-साथ, यह फीचर पेमेंट असफल होने की समस्या को भी काफी कम कर देता है, क्योंकि अक्सर लोग पिन भूलने या गलत पिन टाइप करने की वजह से ट्रांजेक्शन नहीं कर पाते थे। यूजर्स के एक जैसा एक्सपीरियंस को बनाए रखने के लिए, इसमें एक आसान 'फॉल-बैक' मैकेनिज्म भी शामिल है। इसका मतलब है कि अगर कम रोशनी या सेंसर की समस्या के कारण बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन नहीं हो पाता है, तो यूजर्स के पास तुरंत अपने वढकपिन को उपयोग करने का विकल्प भी होगा।

इसके लॉन्च के मौके पर बोलते हुए, फोनपे के हेड ऑफ पेमेंट्स, दीप अग्रवाल ने कहा, फोनपे में हमारा लक्ष्य हमेशा से डिजिटल पेमेंट्स को सभी भारतीय के लिए बेहद सहज और सुलभ बनाना रहा है। बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन को शामिल कर, हम बिना किसी रुकावट वाले पेमेंट एक्सपीरियंस की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह फीचर न सिर्फ.समय बचाता है, बल्कि इससे यूजर्स को हार्डवेयर-लेवल की सुरक्षा भी मिलती है, जो उनके रोज के ट्रांजेक्शन को सुरक्षित बनाती है। हमारा मानना है कि पेमेंट के प्रोसेस से सामान्य रुकावटों को दूर करके, हम डिजिटल पेमेंट्स को हर किसी के लिए और अधिक आसान और सुरक्षित बना रहे हैं।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में व्यवस्थाओं को नया विस्तार, विकास योजनाओं पर मुहर

धार्मिक आस्था, प्रशासनिक दृष्टि और सांस्कृतिक विरासत के समन्वय से काशी विश्वनाथ धाम के सर्वांगीण विकास का खाका तय

-सुरेश गांधी

वाराणसी. काशी की आध्यात्मिक धड़कन कहे जाने वाले श्री काशी विश्वनाथ धाम के व्यवस्थागत सुदृढ़ीकरण और सांस्कृतिक विस्तार को लेकर शुक्रवार को महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं धार्मिक निर्णय लिए गए। मंडलायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में मंदिर प्रबंधन, धाम विकास और परंपरागत धार्मिक संरचनाओं को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने पर विस्तृत मंथन हुआ। बैठक की अध्यक्षता मंडलायुक्त श्री एस राजलिंगम ने की, जिसमें मंदिर न्यास परिषद की 109वीं तथा विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद की 15वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, धमार्चार्यों और विद्वानों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि काशी विश्वनाथ धाम केवल एक मंदिर परिसर नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना का जीवंत केंद्र है, जिसकी व्यवस्थाओं को समयानुकूल सुदृढ़ करना आवश्यक है। मतलब साफ है काशी विश्वनाथ धाम में लिए गए ये निर्णय केवल निर्माण या व्यवस्थागत सुधार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संकेत देते हैं कि भारत की प्राचीन धार्मिक संरचनाएं अब आधुनिक प्रशासनिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही हैं। यदि इसी संतुलन के साथ परंपरा और तकनीक का समन्वय जारी रहा, तो काशी विश्वनाथ धाम वैश्विक धार्मिक प्रबंधन का आदर्श मॉडल बन सकता है।

परंपरा और प्रबंधन का संतुलनः अर्चकों की सेवा शर्तों पर विचार

बैठक में मंदिर में कार्यरत अर्चकों की सेवा शर्तों को सुव्यवस्थित करने के लिए न्यास परिषद और अर्चकों के बीच अनुबंध प्रस्ताव पर चर्चा कर उसे स्वीकृति प्रदान की गई। यह निर्णय मंदिर की धार्मिक परंपराओं को संरक्षित रखते

हुए प्रशासनिक स्पष्टता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंदिर परिसर स्थित अन्नपूर्णा मंदिर के सौंदर्यीकरण को भी स्वीकृति दी गई, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर आध्यात्मिक अनुभव मिल सके।

गौसेवा और धर्मपरंपरा का समन्वय

सारनाथ के बेनीपुर स्थित संकट हरण हनुमान मंदिर की गौशाला के समस्त व्यय का भार मंदिर न्यास द्वारा वहन करने का निर्णय लिया गया। साथ ही प्रत्येक प्रदोष तिथि पर गौवंश के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रस्ताव पारित हुआ। इसे सनातन परंपरा में गौसंरक्षण की भावना को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संस्कृत शिक्षा और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन

काशी की पहचान केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि विद्या और शास्त्र परंपरा से भी जुड़ी रही है। इसी क्रम में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए उपवेशन (बैठने) की व्यवस्था हेतु धनराशि स्वीकृत की गई।

इसके अतिरिक्त प्रयागराज जनपद के उस्तापुर महमूदाबाद स्थित प्राचीन संस्कृत पाठशाला के भूखंड पर बाउंड्रीवाल निर्माण का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया, जिससे परंपरागत गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था को संरक्षण मिल सके।

मंदिरों के संरचनात्मक विकास को मिली गति

बैठक में चंदौली जनपद के सकलडीहा स्थित कालेश्वरनाथ मंदिर परिसर में कक्ष, रसोईघर और स्नानागार निर्माण तथा जर्जर भवन की मरम्मत को स्वीकृति दी गई। साथ ही विद्युत व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत के लिए एजेंसी चयन का प्रस्ताव भी पारित हुआ। यह निर्णय क्षेत्रीय मंदिरों को काशी विश्वनाथ न्यास की संरक्षण परंपरा से जोड़ने का संकेत देता है।

धाम परिसर में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार

विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद की बैठक में धाम परिसर को अधिक सुव्यवस्थित और श्रद्धालु अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। धाम के 50 प्रतिशत शौचालयों को भारतीय शैली में परिवर्तित करने का निर्णय. धाम परिसर की दुकानों की विद्युत दरों को नियत (फिक्स) करने का प्रस्ताव. मल्टीपरपज हॉल के लाभ-साझाकरण मॉडल पर विचार. टेंसाइल शेडिंग कार्य को स्वीकृति. इन निर्णयों का उद्देश्य बढ़ती श्रद्धालु संख्या को देखते हुए आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना है।

काशी की आध्यात्मिक विरासत को डिजिटल स्वरूप

धाम परिसर स्थित सिटी म्यूजियम और वाराणसी गैलरी में 3डी इमर्सिव संग्रहालय संचालन हेतु कंसल्टेंट चयन का प्रस्ताव भी बैठक में पारित किया गया। इससे काशी की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। यह पहल काशी के आध्यात्मिक इतिहास को वैश्विक स्तर पर डिजिटल पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शंकर परंपरा का प्रतिनिधित्व

बैठक में शारदापीठ- श्रृंगेरी के जगद्गुरु शंकराचार्य परंपरा का प्रतिनिधित्व भी उपस्थित रहा। पूज्य भारतीतीर्थ महास्वामी के प्रतिनिधि की सहभागिता ने निर्णयों को धार्मिक मान्यता और परंपरागत संतुलन प्रदान किया।

काशी विश्वनाथ धामः आस्था से प्रशासन तक एक मॉडल

बैठक में पारित निर्णयों से स्पष्ट है कि श्री काशी विश्वनाथ धाम को केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि ह्वआस्था-आधारित व्यवस्थागत मॉडलह के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आधुनिक प्रबंधन, डिजिटल प्रस्तुति, सांस्कृतिक संरक्षण और धर्मपरंपरा– इन चारों स्तंभों पर धाम के विकास का ढांचा तैयार किया जा रहा है। काशी की परंपरा सदियों से आध्यात्मिकता और ज्ञान का संगम रही है। वर्तमान प्रशासनिक पहलें इस विरासत को संरक्षित करते हुए उसे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास हैं.

उपस्थित रहे ये प्रमुख अधिकारी व सदस्य

मंडलायुक्त एस राजलिंगम (अध्यक्ष), जिलाधिकारी, सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, उपाध्यक्ष, वाराणसी विकास प्राधिकरण. पदेन सदस्य सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर विश्व भूषण मिश्र, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. बिहारी लाल शर्मा, प्रमुख सचिव (न्याय) एवं विधि परामर्शी मुख्य कोषाधिकारी, अपर पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा), कमिश्नरेट, प्रतिनिधि, शारदापीठम- श्रृंगेरी पूज्य भारतीतीर्थ महास्वामी के प्रतिनिधि, मंदिर न्यास परिषद एवं विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद के अन्य नामित सदस्य मौजूद रहे.

विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने महराजगंज को नगर पंचायत और सिंगरामऊ को ब्लॉक बनाने का मुद्दा उठाया

सदन में बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी समस्याओं बिजली, पानी और सड़क का उठा मुद्दा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर-प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिवस की कार्यवाही में गुरुवार को बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र उपस्थित हुए। विधायक ने सदन में विकास के ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जनहित से जुड़े गम्भीर मुद्दों पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जारी बजट परिचर्चा में सम्मलित होकर सदन के समक्ष अपना वक्तव्य अवधी भाषा में दिया। विधायक ने महराजगंज को नगर पंचायत और सिंगरामऊ को ब्लॉक बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि महराजगंज के नगर पंचायत और सिंगरामऊ के ब्लॉक बन जाने से जनता को नगर और विकासखंड से संबंधित सुविधाओं का लाभ मिलेगा। विकास के क्षेत्र में पिछड़ापन की समस्या दूर होगी। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग 731 मिरशादपुर से तेजीबाजार होते हुए मछलीशहर सिंगरामऊ से पुरालाल, बाबूगंज से पृथ्वीगंज मार्ग के चौड़ीकरण किए जाने, बाबूगंज में विद्युत सब स्टेशन बनाए जाने की मांग भी किया। साथ ही देश के सबसे बड़े बजट का समर्थन अवधी भाषा में किया। जनसहभागिता से बदलापुर विधानसभा में पीली नदी के जीर्णोद्धार से भी सदन को अवगत कराया। सर्वाधिक मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, कृषि सम्मान निधि, आवास योजना समेत विभिन्न योजनाओं में जौनपुर जिले को अग्रणी बताया। साथ ही विधानसभा बदलापुर की प्रमुख समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रमुख मांगो को सदन के समक्ष रखा। साथ ही देश के सबसे बड़े बजट का समर्थन अवधी भाषा में किया।

एक गिरफ्तार, कब्जे लगभग3 किलो गांजा बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित/ वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के पर्यवेक्षण एवं दिशा झ निर्देशन थाना मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर 01 आरोपी दिलीप दूबे पुत्र स्व0 कमला प्रसाद दूबे निवासी उचगांव थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को एक बोरी में 02 .700 कि0ग्रा0 व 59 पुड़िया में कुल 290 ग्राम नाजायज गांजा व 01 डिजिटल कांटा (सभी बोरे में),1220 रुपये नगद के साथ दिनांक-20.02.2026 को ओ0पी0 फुटवियर की दुकान के बगल बहद ग्राम मधुपुर बाजार के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं में आरोपी उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0-39/26 धारा 8/20 NDPS एक्ट थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

स्कार्पियो के धक्के से एक की मौत, दूसरा घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के भारत पेट्रोलियम रामपुर के सामने पेट्रोल लेकर टंकी से निकल रहे बाइक सवारों को विपरीत दिशा से आ रही स्कार्पियो ने टक्कर हो जाने से एक की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। बताते है कि 25 वर्षीय अभिषेक भीवर पुत्र स्वर्गीय रामबली भीवर मोटरसाइकिल से भदोही के सुरियावां में किसी बारात में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान रामपुर स्थित भारत पेट्रोलियम पंप से पेट्रोल लेकर जैसे ही निकला तभी मड़ियाहूं की तरफ जा रही स्कार्पियो ने तेज टक्कर मार दिया। जिससे अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई तथा पीछे बैठा सोनू दूबे गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका उपचार वाराणसी में चल रहा है। पुलिस ने स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि चालक फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम का प्रीमियर मराठी ZEE5 पर

ठाणे। इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद दर्शकों से भरपूर प्यार पाने वाली फिल्म क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम अब दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है। इसका वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 27 फरवरी 2026 को मराठी एए5 पर होगा। इस फिल्म का निर्देशन हेमंत धोमे ने किया है और इसे क्षिति जोग ने विराज गावस, उर्फी काजमी और अजिंक्य धामल के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम एक भावनात्मक सामाजिक ड्रामा है, जो मराठी माध्यम की शिक्षा की भावना, संघर्ष और सांस्कृतिक गर्व को दर्शाती है। फिल्म एक मराठी स्कूल और उसके समुदाय की भावनात्मक यात्रा को खूबसूरती से दिखाती है। यह बताती है कि कैसे वे आधुनिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी संस्कृति और पहचान को बनाए रखते हैं। मराठी भाषा गौरव दिन के मौके पर इसका रिलीज होना इस प्रीमियर को और भी खास बनाता है। यह फिल्म के मुख्य संदेश को मजबूत करता है कि मातृभाषा में शिक्षा का महत्व हमेशा बना रहता है। सचिन खेडेकर, अमेय वाघ, प्राजक्ता कोली (जो इस फिल्म से मराठी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं), क्षिति जोग, सिद्धार्थ चांदेकर, हरीश दूधाडे, पुष्कराज चिरपुटकर और कादंबरी कदम जैसे बेहतरीन कलाकारों की मौजूदगी वाली इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दर्शकों के दिलों को गहराई से छुआ। अब यह अपनी डिजिटल रिलीज के जरिए और भी ज्यादा लोगों को प्रेरित करने के लिए तैयार है। अपनी प्रभावशाली कहानी, दमदार अभिनय और मराठी माध्यम की संस्थाओं को समर्पित भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम 27 फरवरी 2026 से केवल मराठी एए5 पर एक बार फिर दर्शकों के दिलों को छूने के लिए तैयार है। फिल्म को ZEE5 पर लाने के बारे में बात करते हुए, जी मराठी की चीफ चैनल ऑफिसर और मराठी एए5 की बिजनेस हेड हेमा वी. आर. ने कहा, मराठी भाषा दिवस हम सभी के लिए गर्व का क्षण है, यह उस भाषा का उत्सव है, जो पीढ़ियों की संस्कृति, पहचान और कहानी कहने की परंपरा को संजोए हुए है।

प्रोड्यूसर और अभिनेत्री क्षिति जोग ने आगे कहा, क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम एक गहरी भावनात्मक सोच से जन्मी फिल्म है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सिनेमा में संस्कृति को सहेजने, संवाद शुरू करने और हमें हमारी पहचान याद दिलाने की ताकत होती है।निर्देशक हेमंत धोमे ने आगे कहा, यह फिल्म मराठी माध्यम के स्कूलों और उनसे जुड़ी भावनाओं का उत्सव है। यह गर्व, अपनापन और हमारी भाषा व सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के महत्व की बात करती है। सिनेमाघरों में हमें जो प्यार मिला, वह बेहद अभिभूत करने वाला था। अब मराठी एए5 के माध्यम से हमें अनगिनत घरों और दिलों तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है।

मुख्य अभिनेता सचिन खेडेकर ने साझा किया, क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम केवल एक फिल्म नहीं है – यह हमारी साझा यादों का आईना है। हममें से बहुत से लोग मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़े हैं, जिन्होंने हमारे मूल्यों और व्यक्तित्व को आकार दिया। अमेय वाघ ने कहा, मुझे इस फिल्म की ओर सबसे ज्यादा इसकी भावनात्मक सच्चाई और इसके संदेश की शांत लेकिन गहरी ताकत ने आकर्षित किया। मराठी माध्यम के स्कूल सिर्फ संस्थान नहीं होते – वे ऐसी जगहें हैं जहां मूल्यों का निर्माण होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और सांस्कृतिक जड़ें मजबूत होती हैं।

जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा 1071 वाहनों का किया गया चालान

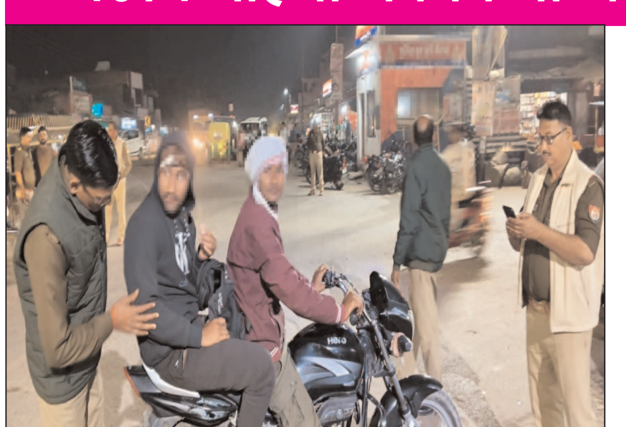

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात नियमों के अनुपालन के दृष्टिगत दिनांक- 20.02.2026 को यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा अभियान चलाकर कुल 1071 वाहनों का चालान किया गया।

जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के पालन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के कुशल निर्देशन में पूरे जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस बल द्वारा सघन चेकिंग की गई। अभियान का प्राथमिक उद्देश्य जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना रहा। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया गया। जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा कुल 1071 वाहनों का चालान कर वैधानिक कार्यवाही की गई। जौनपुर पुलिस आम जनमानस से अपील करती है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और सदैव यातायात नियमों का पालन करें।

22 फरवरी को आयोजित होगा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अंतर्गत विशेष अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि सम्प्रति चल रहे अर्हता दिनांक 01.01.2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 06 मार्च 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि नियत है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 22 फरवरी 2026 को विशेष अभियान की तिथि नियत की गयी है। इस विशेष अभियान की तिथि में बूथ लेविल आफिसर अपने संबंधित मतदेय स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची के साथ प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 01.30 बजे तक उपस्थित रहकर दावे और आपत्तियां प्राप्त करेंगे। उक्त विशेष अभियान की तिथि में समस्त सुपरवाइजर्स एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा बीएलओ की उपस्थिति सम्बन्धित मतदेय स्थलों पर सुनिश्चित करायेंगे। उक्त के अतिरिक्त विशेष अभियान की तिथि में जिला निर्वाचन अधिकारी / उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदेय स्थलों का भ्रमण किया जाएगा। अतः समस्त व्यक्ति जिनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है, तो उनसे फार्म -6 (घोषणा-पत्र सहित) एवं 6ए भरवाये जाने का कार्य किया जायेगा। डबल/शिफ?टेड / मृतक हेतु फार्म-7 एवं किसी प्रकार के प्रविष्टि में संशोधन या स्थान परिवर्तन हेतु फार्म-8 भरा जायेगा। आनलाइन पोर्टल ECINET Mobile App एवं वेबसाइट http://voters.eci.gov.in के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। समस्त नागरिकों से अपील है कि उक्त विशेष अभियान की तिथि का अधिक से अधिक लाभ उठायें जिससे शत-प्रतिशत त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके।

मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में बहु-विभागीय विशेषज्ञता से जटिल किडनी प्रत्यारोपण के बाद उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का सफल प्रबंधन

मुंबई/कोलकाता। एक दुर्लभ और अत्यंत जटिल चिकित्सा उपलब्धि में, भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में डॉक्टरों की बहु-विभागीय टीम ने किडनी प्रत्यारोपण करा चुकी एक महिला की अत्यधिक जोखिमपूर्ण गर्भावस्था का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया। इस उपचार के दौरान माँ और शिशु दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई तथा प्रत्यारोपित किडनी की कार्यक्षमता भी सुरक्षित रखी गई। इस टीम का नेतृत्व डॉ. उपल सेनगुप्ता, डायरेक्टर टीम नेफ्रोलॉजी एवं कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट, तथा डॉ. शिल्पिता बनर्जी, कंसल्टेंट गायनेकोलॉजी, ऑब्स्टेट्रिक्स एवं मैटरनल फीटल मेडिसिन ने किया। 33 वर्षीय माधबीलता कुंडु, जो बर्धमान की रहने वाली एक गृहिणी हैं, ने दिसंबर 2023 में किडनी प्रत्यारोपण कराया था। गर्भावस्था के 16वें सप्ताह में वह लंबे समय से चल रही प्रतिरक्षा-दमनकारी दवाओं के उपचार के दौरान अस्पताल पहुँचीं। उनके चिकित्सा इतिहास में पहले सिजेरियन प्रसव, एक बार गर्भपात, उच्च रक्तचाप, हाइपोथायरॉयडिज्म तथा प्रत्यारोपण के बाद गर्भावस्था से जुड़े अतिरिक्त जोखिम शामिल थे। इसलिए इस मामले में लगातार निगरानी और बेहद सावधानीपूर्वक चिकित्सीय योजना की आवश्यकता थी। विस्तृत परामर्श और परिवार के साथ सामूहिक निर्णय के बाद नेफ्रोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और नवजात विशेषज्ञों की निगरानी में गर्भावस्था जारी रखने का निर्णय लिया गया। गर्भावस्था के 21वें सप्ताह में मरीज को कई गंभीर जटिलताएँ हो गईं, जिनमें प्रत्यारोपित किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने की आशंका, गंभीर एनीमिया, क्रिएटिनिन स्तर में वृद्धि, अनियंत्रित उच्च रक्तचाप और सक्रिय संक्रमण शामिल थे। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, रक्त चढ़ाया गया, दवाओं में आवश्यक बदलाव किए गए और संक्रमण का आक्रामक उपचार किया गया। इस दौरान गर्भस्थ शिशु की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और किसी भी असामान्यता को रोका जा सके।

राहुल गांधी के दौरे से पहले कांग्रेस में बवाल! क्यों दिया हेमंत कटारे ने इस्तीफा?

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष रहे हेमंत कटारे ने अपने पद से अचानक इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया है। ऐसे में संगठनात्मक कारणों और पार्टी अनुशासन से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठने लगे हैं। कयास लगाए जाने लगे है कि हाल के राजनीतिक घटनाक्रम और आंतरिक मतभेदों के बीच उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का निर्णय लिया है या सच में ही पारिवारिक कारण रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के बीच पटरी नहीं बैठ पा रही थी। इससे पहले भी पार्टी नेतृत्व ने संगठन में अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के संकेत दिए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में कटारे का इस्तीफा एक संदेश के रूप में देखा गया, ताकि विपक्ष की भूमिका अधिक संगठित और प्रभावी ढंग से निभाई जा सके।

वहीं 24 फरवरी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मध्य प्रदेश आने वाले हैं। मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भारत-यूएस ट्रेड डील पर बड़े प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भोपाल आ रहे हैं। दोनों दिग्गज नेताओं के दौरे से पहले हेमंत कटारे के पद से इस्तीफा देने से प्रदेश की राजनीति में गरमा गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम आगामी रणनीतियों और विधानसभा सत्रों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया हो सकता है। विपक्ष के भीतर नई ऊर्जा और समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से भी नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा रही है। हालांकि, इस्तीफे को लेकर विस्तृत आधिकारिक कारणों पर पार्टी की ओर से विस्तृत बयान का इंतजार है। कटारे ने अपने वक्तव्य में कहा कि वे पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहेंगे और संगठन के निदेर्शों का पालन करेंगे। यह घटनाक्रम मध्यप्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर रहा है और आने वाले समय में विपक्ष की रणनीति पर इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है।

नाइजीरिया में इस्लामी उग्रवादियों ने बहाई खून की नदी! एक साथ किए हमलों में 33 लोगों की मौत

नाइजीरिया। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में इस्लामी उग्रवादियों द्वारा एक साथ किए गए हमलों में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता बशीर उस्मान ने बृहस्पतिवार देर रात एक बयान में कहा कि यह हमला बुधवार को केब्बी प्रांत के बिउ समुदाय पर हुआ। उस्मान ने बताया कि हमलावर सोकोटो प्रांत से आए थे, जिसके कुछ हिस्सों पर लाकुरावा विद्रोही समूह का कब्जा है। उन्होंने कहा, "प्रारंभिक जांच से पुष्टि हुई है कि सशस्त्र लाकुरावा उग्रवादी मवेशी चुराने के इरादे से इलाके में घुसे थे।" उन्होंने कहा कि शांति बहाल करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। लाकुरावा समूह नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में, खासकर सोकोतो राज्य के आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय है। यह हथियारबंद गिरोह मवेशी चोरी, गांवों पर हमले और फिरौती के लिए लोगों का अपहरण जैसी आपराधिक गतिविधियों को आंजम देता है।

दिल्ली के पॉश इलाके से दबोचा गया 84 लाख बैंक डकैती का आरोपी

नई दिल्ली। राजधानी में बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अभिषेक झा उर्फ अभिषेक कुमार झा के रूप में हुई है, जो बिहार का रहने वाला है और कई गंभीर मामलों में वांछित था। उस पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार इलाके से पकड़ा गया। हाल ही में उस पर बिहार के सुपौल जिले में हथियार के बल पर लूटपाट करने का आरोप है। घटना के बाद वह फरार होकर दिल्ली पहुंच गया था और यहां एक रिहायशी सोसायटी में छिपकर रह रहा था। उसके खिलाफ संबंधित थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) और आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज है। इसके अतिरिक्त, सहरसा और अररिया जिलों में भी उसके खिलाफ लूट के कई मामले लंबित हैं। जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2021 में अररिया जिले में हुई 84 लाख रुपये की बैंक डकैती में भी उसका नाम सामने आया था।

मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत 22 फरवरी को आयोजित होगा 'विशेष अभियान दिवस'

बलरामपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत जिले के समस्त मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) पर आगामी 22 फरवरी, 2026 (रविवार) को 'विशेष अभियान दिवस' का आयोजन किया जाएगा।

बूथ पर उपस्थितिः विशेष अभियान के दिन सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने निर्धारित मतदेय स्थलों पर पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 01:30 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। दावे और आपत्तियांः इस अवधि के दौरान बी.एल.ओ. द्वारा नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, संशोधन करने या नाम हटाने से संबंधित दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। फॉर्म-6 पर विशेष जोरः 01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर जो पात्र नागरिक अभी तक मतदाता नहीं बन पाए हैं, उनसे फॉर्म-6 प्राप्त कर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। सहायता डेस्कः प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक 'हेल्प डेस्क' बनाई जाएगी, जो मतदाताओं को फॉर्म भरने और प्रक्रिया समझने में सहायता प्रदान करेगी। प्रचार-प्रसारः ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रिक्शों पर लाउडस्पीकर तथा डुगडुगी बजवाकर इस अभियान का व्यापक प्रचार किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन कुमार जैन ने जनपद के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष अवसर का लाभ उठाएं। विशेष रूप से युवा नागरिक जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वे अपने बूथ पर जाकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य चेक करें और यदि नाम शामिल नहीं है, तो फॉर्म भरकर पंजीकरण कराएं।